DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 1

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र विचार व अपराध निरोधक मुख्य हिन्दी राष्ट्रीय समाचार पत्र

दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा

DELHI CRIME WA BHRASHTACHAR VIRODHI MORCHA

Website- Delhicrimepress.in
Email-info@delhicrimepress.in

RNI No. DELHIN/2005/15378 | DCP Lic. No. F-2(D-9)PRESS/2005 | वर्ष-01 | बुधवार 31 अगस्त 2022 | पीडीएफ अंक-133 | पृष्ठ-8 | मूल्य-निःशुल्क

मौसम

अधिकतम –36 | सूर्योदय – 5 : 58
न्यूनतम – 28 | सूर्यास्त – 6 : 44

सोना चांदी

सोना – 52737.00 प्रति 10 ग्र चांदी – 54000.00 किलो

अर्थसार

सैंसेक्स –59537.07 | निफ्टी – 17759.30
रु/यूएस डॉलर – 79.58 | रु/यूरो – 79.86

न्यूज फ्लैश

कंट्रोल रूम को दी धमकी- 'गणेश चतुर्थी पर करेंगे 26/11 जैसा अटैक

-धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, लोगों से कहा डरने की जरूरत नहीं

मुंबई। आर्थिक राजधानी मुंबई में इस साल गणेश चतुर्थी पर लोगों में काफी उत्साह है। 2 साल बाद यह पर्व बिना पाबंदियों के मनाया जाएगा। मुंबई पुलिस अलर्ट मोड में है। मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल रूम में एक कॉल आई है, जिसमें धमकी दी गई है कि गणेश चतुर्थी को मुंबई में 26/11 जैसा आतंकी हमला करेंगे। इसके बाद मुंबई में पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। ज्वॉइंट सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) विश्वास नांगरे पाटिल ने बताया कि मुंबई पुलिस सतर्क है। उन्होंने कहा कि जो इस दौरान भीड़ नियंत्रण, ट्रैफिक मॉनिटरिंग और किसी प्राकृतिक आपदा से मुकाबला करने के लिए जरूरी सभी तैयारियां पूरी हो चुकी है। ऐसी स्थिति में घबराने की कोई जरूरत नहीं है।
31 तारीख से शुरू होने जा रहे गणेश चतुर्थी के पर्व से 1 दिन पहले पुलिस कमिश्नर विवेक फणसलकर और ज्वॉइंट सीपी (लॉ एंड आर्डर) विश्वास नांगरे पाटिल मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा के पास पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। विश्वास नांगरे पाटिल ने कहा है कि अफवाहों पर भरोसा न करे। 80 फीसदी पुलिस को तैनात किया गया है। इसके अलावा एसआरपीएफ की 18 कंपनियां, क्यूआरटी की 700 टीमें लगाई गई हैं। भारी संख्या में पुलिसबल गणपति उत्सव के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा। गणपति पंडाल के साथ-साथ मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के बाहर भी भारी पुलिस बंदोबस्त पूरे गणेश उत्सव के दौरान होगा, जहां पुलिस की निगरानी पूरे गणेश उत्सव में बनी रहेगी। क्योंकि गणेश उत्सव के दौरान भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

ईडब्ल्यूएस से जुड़ी याचिकाओं पर 13 सितंबर से सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह मुसलमानों को आरक्षण देने वाले स्थानीय कानून को खारिज करने संबंधी उच्च न्यायालय के फैसले के विरोध में दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करने से पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दाखिले तथा नौकरी में 10 प्रतिशत आरक्षण देने के केंद्र के निर्णय की संवैधानिक वैधता की जांच करेगा। प्रधान न्यायाधीश उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी, न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने कहा कि वह प्रक्रियागत पहलुओं तथा अन्य ब्यौरों पर छह सितंबर को निर्णय लेकर 13 सितंबर से याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। केन्द्र ने 103वें संविधान संशोधन अधिनियम 2019 के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए दाखिलों तथा लोक सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान जोड़ा था। शीर्ष अदालत आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिकाओं और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय ने मुसलमानों को आरक्षण देने वाले एक स्थानीय कानून को खारिज कर दिया था। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों वाली पीठ ने चार भिन्न मतों वाले फैसले में स्टेट टू मुस्लिम कम्युनिटी अधिनियम 2005 के तहत इन प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित किया था। संवैधानिक पीठ ने चार वकीलों शादान फरासत, नचिकेता जोशी, महफूज नजकी और कनू अग्रवाल को नोडल अधिवक्ता के रूप में कार्य करने के लिए कहा।

दिल्ली की शराब नीति पर केजरीवाल पर भड़के अन्ना हजारे

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के राजनीतिक गुरु कहे जाने वाले समाजसेवी अन्ना हजारे दिल्ली का शराब नीति को लेकर नाराज है और उन्होंने उनको पत्र लिख नाराजगी जताई है। इस पत्र में अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल से कहा है कि वह दिल्ली में शराब की दुकानों को बंद कर दें। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने स्वराज पुस्तक में बड़ी-बड़ी बातें की थीं, लेकिन उनके आचरण पर उसका असर नहीं दिख रहा है। अन्ना हजारे ने अपनी चिट्ठी में अरविंद केजरीवाल को संबोधित करते हुए लिखा, 'आपके मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार मैं आपको खत लिख रहा हूं। पिछले कई दिनों से दिल्ली सरकार की शराब नीति को लेकर जो खबरें आ रही हैं, उन्हें पढ़कर दुख होता है।' अन्ना हजारे ने कहा कि महात्मा गांधी के 'गांव की ओर चलो' के विचार से प्रेरित होकर मैंने अपनी जिंदगी गांव, समाज और देश के लिए समर्पित की है। पिछले 47 सालों से ग्राम विकास के लिए काम कर रहा हूं और भ्रष्टाचार के विरोध में आंदोलन कर रहा हूं। अरविंद केजरीवाल को पुराने दिन याद दिलाते हुए अन्ना हजारे ने कहा कि आप हमारे गांव रालेगण सिद्धि आ चुके हैं। यहां आपने शराब, बीड़ी, सिगरेट आदि पर रोक की प्रशंसा की थी। राजनीति में आने से पहले आपने 'स्वराज' नाम से एक किताब लिखी थी। इस पुस्तक में आपने ग्रामसभा, शराब नीति के बारे में बड़ी-बड़ी बातें लिखी थीं। तब आपसे बहुत उम्मीद थी, लेकिन राजनीति में जाकर मुख्यमंत्री बनने के बाद आप आदर्श विचारधारा को भूल गए हैं। आपकी सरकार ने दिल्ली में नई शराब नीति बनाई, जिसे देखकर ऐसा लगता है कि इससे शराब की बिक्री और उसे पीने को बढ़ावा मिल सकता है। गली-गली में शराब की दुकानें खुलवाई जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी दो सितंबर को भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत को नौसेना में शामिल करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो सितंबर को कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को नौसेना में शामिल करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पीएमओ ने बताया कि मोदी एक-दो सितंबर को कर्नाटक और केरल में कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे, जिसमें कोचीन हवाईअड्डे के पास कलाडी गांव में आदि शंकराचार्य के जन्मस्थान का दौरा भी शामिल है। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री मंगलुरु में करीब 3,800 करोड़ रुपए की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि मोदी आत्मनिर्भरता के प्रबल समर्थक रहे हैं, खासकर रणनीतिक क्षेत्रों में, और आईएनएस विक्रांत का नौसेना में शामिल होना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। यह पहला

ऐसा पोत है, जिसे पूरी तरह से स्वदेश में बनाया गया है। भारतीय नौसेना के इन-हाउस वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (डब्ल्यूडीबी) द्वारा डिजाइन किया गया और सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड कोचीन शिपयार्ड द्वारा निर्मित आईएनएस विक्रांत अत्याधुनिक ऑटोमेशन सुविधाओं से लैस है। यह भारत के समुद्री इतिहास में देश में निर्मित अब तक का सबसे बड़ा पोत है। पीएमओ के अनुसार, विमान वाहक पोत का नामकरण उसके पूर्ववर्ती आईएनएस विक्रांत के नाम पर किया गया है, जो भारत का पहला विमान वाहक पोत था और जिसने 1971 के युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि पोत में बड़ी संख्या में स्वदेशी उपकरण और मशीनरी लगाई गई है, जिनका निर्माण देश के प्रमुख औद्योगिक घरानों के साथ-साथ 100 से अधिक एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों) ने किया है। पीएमओ के मुताबिक, आईएनएस विक्रांत के नौसेना में शामिल होने के साथ भारत के पास दो क्रियाशील विमान वाहक पोत हो जाएंगे, जो देश की समुद्री सुरक्षा को मजबूत बनाने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि मोदी नए नौसैनिक ध्वज (निशान) का भी अनावरण करेंगे, जो औपनिवेशिक अतीत को पीछे छोड़ते हुए समृद्ध भारतीय समुद्री विरासत के अनुरूप होगा। पीएमओ के अनुसार, मंगलुरु में प्रधानमंत्री बर्थ संख्या14 के मशीनीकरण से जुड़ी 280 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना का उद्घाटन करेंगे, जिसका उद्देश्य न्यू मैंगलोर बंदरगाह प्राधिकरण में कंटेनर और अन्य कार्गो के बेहतर प्रबंधन की क्षमता विकसित करना है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि मशीनीकृत टर्मिनल से दक्षता बढ़ेगी और बंदरगाह पर प्रक्रिया को अंजाम देने तथा माल ढुलाई के समय में लगभग 35 फीसदी तक की कमी आएगी। पीएमओ के मुताबिक, परियोजना के पहले चरण को स फलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, जिससे बंदरगाह की ढुलाई-भंडारण क्षमता में 4.2 एमटीपीए का इजाफा हुआ है और साल 2025 तक यह वृद्धि 6 एमटीपीए तक पहुंचने की संभावना है।

गृह मंत्री पहुंचे दिल्ली पुलिस मुख्यालय, पुलिस ऑफिसर के साथ की मीटिंग

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को जय सिंह रोड स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान वह पुलिसिंग के संबंध में वर्ष 2024 एक्शन प्लान एवं आगामी जी-20 समिट के दृष्टिगत मजबूत सुरक्षा योजना समेत अनेक बिंदुओं पर समीक्षा बैठक की। पुलिस मुख्यालय से दी गई जानकारी के अनुसार गृह मंत्री अमित शाह का आने का समय दोपहर में निर्धारित था लेकिन सुबह 9:00 बजे से पहले वह पुलिस मुख्यालय पहुंचे जहां पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने प्लांट देकर उनका स्वागत किया। उसके बाद अमित शाह अंदर पहुंचे और उन्होंने पुलिस अधिकारियों के साथ सिर्फ पुलिस मुख्यालय का निरीक्षण ही नहीं किया बल्कि अधिकारियों के साथ बैठकर मीटिंग की और कानून व्यवस्था के बारे में जानकारी भी ली। आने वाले समय में होने वाले बड़े कार्यक्रम को लेकर चर्चा भी की। इस अवसर पर गृह मंत्री ने कई महत्वपूर्ण विषयों के साथ साथ वर्ष 2024 के दृष्टिगत समीक्षा बैठक और भविष्य के एक्शन

प्लान पर भी डिस्कस किया। दिल्ली की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत विस्तृत रोडमैप और जी-20 समिट की तैयारियों पर भी चर्चा किया। पता चला की फॉरेंसिक और कानूनी संबंधी विषयों पर भी चर्चा की गई। आज इस अवसर पर सीडब्ल्यूजी एवं वर्ल्ड पुलिस फायर गेम्स सहित अन्य खेलों में मेडल जीतने वाले पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

बेंगलुरु में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन ठप

बेंगलुरु। बेंगलुरु में लगातार हो रही बारिश के कारण स्कूलों और कॉलेजों को मंगलवार को बंद कर दिया गया। राजधानी की सड़कों पर जलभराव होने के चलते शहर के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर में सोमवार को हुई भारी बारिश को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। बेंगलुरु शहर के डीसी श्रीनिवास ने बताया, भारी बारिश के कारण बेंगलुरु के कई हिस्सों में जलभराव हो गया और सोमवार को कई पेड़ उखड़ गए। भारी बारिश के कारण मंगलवार को बेंगलुरु के स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बता दें कि भारी बारिश के कारण जनजीवन ठप हो गया है। कई लोगों ने भारी बारिश के चलते हो रही समस्याओं को सोशल मीडिया पर भी शेयर किया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बेंगलुरु, बेलगावी और अन्य जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आश्वासन दिया कि राजस्व विभाग सर्वेक्षण करेगा और फसल नुकसान के दस्तावेज अपलोड किए जाएंगे। भारी बारिश के कारण बेंगलुरु-मैसूर राजमार्ग भी मंगलवार को प्रभावित रहा।

एक सितंबर से पुरानी नीति के तहत मिलेगी शराब

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक सितंबर से पुरानी नीति के तहत शराब की बिक्री होने जा रही है। सितंबर के पहले सप्ताह में तीन सौ से अधिक दुकानें खोलने का लक्ष्य है, जो माह के अंत तक बढ़कर पांच सौ तक हो जाएगी। यह सब दुकानें पुरानी आबकारी नीति के तहत चलेंगी। इसके तहत शराब बिक्री होने से उन्हें निर्धारित कीमतों पर शराब खरीदनी होगी। ग्राहकों को अब किसी तरह का डिस्काउंट नहीं मिलेगा, लेकिन दुकानों पर शराब की कीमतें ब्रांड के हिसाब से समान रहेंगी। आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली के मॉल एवं कुछ मेट्रो स्टेशन के आस-पास पहली बार शराब की दुकानें खुलेंगी। अब इन दुकानों को तैयार करने का काम चल रहा है। उधर, प्रीमियम श्रेणी की शराब की दुकान सितंबर की जगह अक्टूबर तक जाकर खुल पाएंगी।

नई आबकारी नीति को सरकार ने लिया वापस – दिल्ली में पहले शराब की बिक्री सरकारी दुकानों में होती थी। निर्धारित रेट पर ही चुनिंदा जगहों पर खुली दुकानों में ही शराब बेची जाती थी। यहां वर्षों पुरानी बनाई गई नीति के तहत शराब की बिक्री होती थी। दिल्ली सरकार ने नवंबर में शराब की बिक्री के लिए नई आबकारी नीति को लागू किया। इसके तहत शराब की बिक्री की जिम्मेदारी निजी कंपनियों व दुकानदारों को दे दी गई। सरकार का कहना था कि इससे कंपटीशन होगा और कम कीमत पर शराब खरीद सकेंगे। इसके अलावा दुकान पर देसी विदेशी सभी ब्रांडों की शराब एक जगह मिलेगी, लेकिन नई आबकारी नीति के तहत नवंबर से दिल्ली में बिक रही शराब की दुकानों को अचानक बंद करने का सरकार ने फैसला लिया, जिससे शराब की बिक्री को लेकर अफरा-तफरी मच गई।

नई आबकारी नीति पर उठे सवाल – उल्लेखनीय है कि दिल्ली की नई आबकारी नीति 2021-2022 के तहत पूरी दिल्ली को 32 लिकर जोन में बांटा गया। 9 जोन ने पहले ही लाइसेंस सरेंडर कर दिया है। इसके तहत 849 दुकानें खुलीं। 31 जोन में 27 दुकानें मिली। एयरपोर्ट जोन को 10 दुकानें मिलीं। 639 दुकानें 9 मई को और 464 दुकानें 2 जून को खोली गईं, जबकि इस 17 नवंबर 2021 को लागू होने से पहले दिल्ली में शराब की कुल 864 दुकानें थी। 475 दुकानें सरकार चला रही थी, जबकि 389 दुकानें प्राइवेट थीं। दिल्ली में नई आबकारी नीति को लागू करने के पीछे दिल्ली सरकार का सबसे बड़ा तर्क शराब माफिया को खत्म करने और शराब के समान वितरण का था साथ ही पीने की उम्र 25 से घटाकर 21 साल कर दी गई।

बजरंग दल हिन्दू समाज की रक्षा के लिए कटिबद्ध : मिलिंद परांडे

मुंबई। विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि बजरंग दल हिंदुओं की रक्षा के कटिबद्ध है। साथ ही बजरंग दल हिंदुओं के साथ प्रथम पंक्ति में साथ खड़ा रहेगा और कानून के दायरे मे रहकर हिंदुओं की रक्षा करेगा। गौरक्षा, धर्मांतरण, लवजिहाद जैसे अनेक विषय पर बजरंग दल अग्रणी भूमिका निभा रहा है और निभाता रहेगा। विश्व हिन्दू परिषद की युवा इकाई बजरंग दल की अखिल भारतीय बैठक मुंबई के हरियाणा भवन में सम्पन्न हुई। इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के तौर पर विहिप के अखिल भारतीय

महामंत्री मिलिंद परांडे एवं बजरंग दल के अखिल भारतीय संयोजन नीरज उपस्थित रहे। बैठक में सैकड़ों की संख्या में बजरंग दल के कार्यकताओं ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने याद दिलाया कि राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रारम्भ में राम जानकी रथ यात्रा के विरोध में यात्रा रोकने के लिए धमकियां मिल रही थी तब उसकी रक्षा के लिए बजरंग दल का जन्म हुआ था। उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम समाज का कोई तबका यह सोचता हो कि हिंसा की धमकी देकर हिन्दू समाज को डराया जा सकता है तो वह सपनों की दुनिया में जी रहे हैं। किसी भी हिंसा से हिन्दू समाज डरने वाला नहीं हैं।

दिल्ली हिंसा: सोनिया-राहुल ने अपने खिलाफ एफआईआर की मांग को बताया साजिश

-दिल्ली हाई कोर्ट में दोनों नेताओं ने दाखिल किया हलफनामा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कहा है कि दिल्ली हिंसा मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग के पीछे एक बड़ी साजिश है। दोनों नेताओं ने दिल्ली हाई कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा है कि याचिकाकर्ता ने इस मामले में सिर्फ विपक्षी दलों को पक्षकार बनाया है, लेकिन सत्ताधारी पार्टी के लोगों को छोड़ दिया है जो एक साजिश की ओर

इशारा करता है। सोनिया और राहुल के हलफनामे में कहा गया है कि सत्ताधारी दल के नेताओं की ओर से दिया गया भाषण हेट स्पीच की श्रेणी में आता है। हलफनामे में कहा गया है कि विपक्षी नेताओं का काम सरकार की नीतियों की आलोचना करना और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाना है। याचिकाकर्ता ने उनके भाषण को संपूर्णता में पेश नहीं किया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई हिंसा की एसआईटी से जांच की मांग करनेवाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए भाजपा और कांग्रेस के नेताओं को 28 फरवरी को नोटिस जारी किया था। दरअसल एक याचिकाकर्ता शेख मुज्तबा और दूसरे याचिकाकर्ता लॉयर्स वॉयस ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर नेताओं को दिल्ली हिंसा का जिम्मेदार ठहराया था।

तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिया निमंत्रण

नई दिल्ली। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री ने आज दिल्ली आकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और मॉडल स्कूलों के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने के लिए उन्हें निमंत्रित किया है। केजरीवाल ने तमिलनाडु सरकार के शिक्षा मंत्री के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के निमंत्रण पर अरविंद केजरीवाल आगामी पांच सितंबर को तमिलनाडु सरकार द्वारा दिल्ली के शिक्षा मॉडल को अपनाते हुए शुरू किए जा रहे 26 स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, 15 मॉडल स्कूलों के अलावा पुधुमई पेन थित्तम स्कीम के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। तमिलनाडु सरकार लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए पुधुमई पेन थित्तम स्कीम के तहत हर महीने एक हजार रुपए देगी। इस संबंध में केजरीवाल का कहना है कि जब हम लोग आपस में एक-दूसरे के अच्छे कामों से सीखकर आगे बढ़ेंगे, तभी देश तरक्की करेगा। तमिलनाडु सरकार के शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी ने ट्वीट कर कहा, मैं मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के निदेर्शानुसार आज दिल्ली आकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उनके आवास पर मिला और उनको पुधुमई पेन थित्तम स्कीम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस और मॉडल स्कूलों के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर आने के लिए निमंत्रित किया। वहीं,

तमिलनाडु सरकार के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, मैं एमके स्टालिन को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे अगले सप्ताह तमिलनाडु का आने के लिए आमंत्रित किया। मैं तमिलनाडु के लोगों की शिक्षा क्रांति की यात्रा में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं। केजरीवाल ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि तमिलनाडु सरकार पुधुमई पेन थित्तम स्कीम के तहत तमिलनाडु सरकार उच्च शिक्षा सहायता के रूप में लड़कियों को 1,000 रुपए प्रति माह देगी। दिल्ली की तरह तमिलनाडु सरकार अब 26 स्टेट ऑफ आर्ट स्कूल ऑफ एक्सीलेंस लांच कर रही है और व्यवसायिक पाठ्यक्रमों की पेशकश के लिए 15 स्कूलों को मॉडल स्कूल के रूप में उन्नयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केजरीवाल सरकार के स्कूलों का किया था दौरा – उल्लेखनीय है कि एक अप्रैल 2022 को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने दिल्ली आकर दिल्ली सरकार के स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक का दौरा किया था और दिल्ली के शिक्षा मॉडल को देखकर बेहद प्रभावित हुए थे। उस दौरान एम.के. स्टालिन ने दिल्ली सरकार के स्कूलों की बिल्डिंग, हैप्पीनेस क्लास आदि देखा था और बच्चों से भी मिले थे। साथ ही, बिजनेस ब्लास्टर की टीम ने उनसे अपना अनुभव साझा किया था। बच्चों के अंदर आए आत्म विश्वास को देखकर सीएम एम.के. स्टालिन काफी प्रभावित हुए थे। स्कूल का दौरा करने के उपरांत सीएम ए.के. स्टालिन ने कहा था कि दिल्ली सरकार के स्कूल बहुत ही बेहतरीन हैं।

मॉडल स्कूल – तमिलनाडु सरकार के मॉडल स्कूल आवासीय हैं। इन स्कूलों का प्राथमिक फोकस यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी स्कूलों के छात्र स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, कला और चिकित्सा) में व्यावसायिक पाठ्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश करें।

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 2

सम्पादकीय

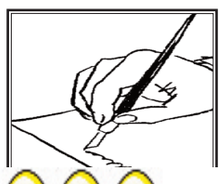

भारत का सांस्कृतिक और सामरिक संदेश

राष्ट्र जीवन में सांस्कृतिक और सामरिक दोनों विषयों का महत्व होता है। संस्कृति की दृष्टि से भारत सदैव समृद्ध रहा है। नरेन्द्र मोदी सरकार ने राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना जागृत की है। यही नहीं, सरकार सामरिक मजबूती पर भी विशेष ध्यान दे रही है।रक्षा तैयारी के लिहाज से वर्तमान सरकार का कार्यक्रम अभूतपूर्व रहा है।अनुमान है कि अगले दो वर्षों में यहह सरकार अपने ही कीर्तिमान को पीछे छोड़ देगी। आत्मनिर्भर भारत अभियान ने भारत को शक्तिशाली बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इसके बाद भी विश्व शांति के प्रति भारत का दृष्टिकोण में परिवर्तन नहीं हुआ है। शांति भारत की विरासत और प्रकृति है। दुनिया में केवल भारतीय चिंतन ने विश्व शांति और मानव कल्याण को महत्व दिया है। किन्तु इस चिंतन के अनुरूप कार्य करने के लिए भारत का शक्तिशाली होना अपरिहार्य है। हिंसक प्रवृत्ति के देश शांति की भाषा नहीं समझते हैं। वह कमजोर लोगों की बात भी नहीं समझते। प्राचीन भारत शक्तिशाली भी था। इसलिए उसके शांतिवादी विचारों का दुनिया में सम्मान था। भारत विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित था। लेकिन रक्षा तैयारी की अवहेलना होने पर भारत को बहुत नुकसान उठाना पड़ा। विदेशी आक्रमणकारियों ने इसका लाभ उठाया। नरेन्द्र मोदी ने भारत को शक्तिशाली बनाने का अभियान चलाया। उसके साथ ही दुनिया को बताया कि भारत युद्ध नहीं बुद्ध का देश है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत किसी को छेड़ेगा नहीं, लेकिन भारत के विरुद्ध हिंसक गतिविधि चलाने वाले को छोड़ेगा नहीं। रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर अभियान ने दुनिया का ध्यान आकृष्ट किया है। भारत को अभी तक सामरिक हथियारों का सबसे बड़ा आयातक माना जाता था। अब चालीस से अधिक देशों को भारत सामरिक उत्पाद का निर्यात कर रहा है। अन्य क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत अनेक योजनाएं संचालित हो रही है। उत्तर प्रदेश के डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से देश को रक्षा उत्पादन क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने में मदद मिल रही है। नरेन्द्र मोदी ने करीब तीन वर्ष पूर्व लखनऊ में उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट का शुभारम्भ करते हुए उत्तर प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर स्थापित करने की घोषणा की थी। योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से इसमें व्यापक सफलता मिल रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि ग्लोबल सिक्योरिटी कंसर्न,बार्डर डिस्प्यूट्स और मैरीटाइम डोमिनेंस के चलते दुनिया भर के देश आज अपनी सेना के मॉर्डनाइजेशन पर फोकस कर रहे हैं। ऐसे में सैन्य उपकरणों की डिमांड भी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट बताती हैं कि बीते वर्ष में वर्ल्ड मिलिट्री स्पेंडिंग लगभग दो ट्रिलियन यूएस डॉलर पर पहुंच चुकी थी। डिफेंस रिलेटेड डॉमेस्टिक डिमांड में भी बढ़ोतरी होगी। भारत सुरक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने में आत्मनिर्भर बन रहा है। देश का विकास पब्लिक सेक्टर और प्राइवेट सेक्टर के बीच समन्वय से हो सकता है। निजी क्षेत्र की अहमियत को समझते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने आज से बीस साल पहले डिफेंस सेक्टर में प्राइवेट सेक्टर की सौ प्रतिशत प्रतिभागिता की व्यवस्था की थी। कास्टिंग और फोर्जिंग के क्षेत्र में जिन भारतीय कंपनियों ने दुनिया में बड़ा नाम कमाया है- पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड उनमें से एक है। लखनऊ में जिस प्लांट का उद्घाटन हुआ है वह एयरोस्पेस और एयरोस्पेस में टाइटेनियम और निकिल के आलाय बनाने वाली पहली मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। भारत के अलावा अमेरिका, फिनलैंड,चीन,नॉर्वे व स्वीडन की बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनियों को पीटीसी द्वारा अपने उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कुछ समय पहले लखनऊ में निजी क्षेत्र की रक्षा कम्पनी का उद्घाटन राजनाथ सिंह ने किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ और उत्तर प्रदेश के उद्यमी को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी।

कल तक जो खुद 'गुलाम ' थे, आजाद हो गये

लेखक-तनवीर जाफरी /ईएमएस

का कांग्रेस को अलविदा कहना कोई अप्रत्याशित नहीं है। इसका आभास तो तभी होने लगा था जब 1 अगस्त 2018 तत्कालीन राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा उन्हें उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार से नवाजा गया और बाद में इसी नरेंद्र मोदी सरकार ने 2022 में आजाद को देश के सर्वप्रतिष्ठित पद्म भूषण सम्मान से भी अलंकृत किया था। देश को 'कांग्रेस मुक्त' बनाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोशिशों के बीच किसी कांग्रेस नेता को ही इतना सम्मान देना, आमजनों द्वारा उसी समय से आजाद को संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगा था। जब अमिताभ बच्चन के लोकसभा सीट से त्यागपत्र के बाद 1988 में इलाहबाद में उपचुनाव हो रहे थे उस समय मुख्य विपक्षी उम्मीदवार विश्वनाथ प्रताप सिंह ने एक जनसभा में गुलाम नबी आजाद की तरफ इशारा करते हुये कहा था कि जो दिल्ली में गुलाम हैं वह यहां (इलाहबाद में) आजाद हैं। यही वह दौर भी था जब वीपी सिंह, अरुण नेहरू, आरिफ मोहम्मद खान , रामधन, सत्यपाल मलिक जैसे वरिष्ठ नेताओं को कांग्रेस पार्टी से निकाल दिया गया था । उस समय भी अनेक वरिष्ठ कांग्रेस नेता आज के गुलाम नबी आजाद की ही तरह कुछ खास 'चाटुकारों ' के बीच घिरे रहने का राजीव गाँधी पर आरोप लगाते थे। अंतर यह है कि तब आजाद की गिनती राजीव गाँधी की उस चाटुकार मण्डली में होती थी जो कथित तौर पर राजीव गाँधी को गलत सलाह दिया करते थे। आज आजाद का कथन है कि -'पार्टी अब ऐसी अवस्था में पहुँच गई है जहाँ से वापस लौटना संभव नहीं है'. परन्तु सही मायने में कांग्रेस को इस दुर्गति तक पहुँचाने की बुनियाद डालने वालों में प्रमुख नाम गुलाम नबी आजाद का भी है। यह आजाद व उन जैसे चापलूस नेता ही थे जिन्होंने 1988 के इलाहबाद उपचुनाव में विश्व नाथ प्रताप सिंह के विरुद्ध सुनील शास्त्री जैसा कमजोर उम्मीदवार कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उतारने की सलाह देकर कांग्रेस के पतन की शुरूआत में अपनी भूमिका निभाई। जब कोई कांग्रेसी नेता उस समय इनसे पूछता कि अमिताभ बच्चन को ही पुनः चुनाव लड़वाकर वी पी सिंह की चुनौती क्यों स्वीकार नहीं की गयी तब आजाद जवाब देते कि यदि बच्चन 'राजा साहब' से चुनाव हार जाते तो विपक्ष राजीव गाँधी के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे के लिये अड़ जाता। इसलिये सुनील शास्त्री को लड़ाया जा रहा है। आजाद शायद अकेले ही नेता थे जो कहते फिर रहे थे कि शास्त्री चुनाव जीतेंगे पूरा प्रदेश देख रहा था कि वह चुनाव केवल सुनील शास्त्री की कांग्रेस की उम्मीदवारी के कारण वी पी सिंह के पक्ष में एकतरफा हो चुका था। खुद जम्मू कश्मीर के जम्मू संभाग के निवासी होने यहां तक कि 2005 से लेकर 2008 तक कांग्रेस पार्टी की ओर से पी डी पी व कांग्रेस की संयुक्त सरकार के मुख्यमंत्री बनने वाले आजाद के कश्मीर में जनाधार का अंदाजा भी इसी बात से लगाया जा सकता है कि इन्हें पार्टी ने लोकसभा चुनाव महाराष्ट्र से लड़ाया और केंद्र में मंत्री बनाया। आजाद की गिनती कांग्रेस के बिना जनाधार वाले 'पैराशूट ' नेताओं में होती थी जो आलाकमान से अपनी नजदीकियों का लाभ उठाकर अपनी मीठी चुपड़ी बातों से गाँधी परिवार का दिल जीत कर हमेशा किसी न किसी पद पर 'सुशोभित ' रहा करते थे। कांग्रेस में यही सब उस श्रेणी के नेता हैं जो सत्ता या कुर्सी के बिना रहने के आदी नहीं। वर्तमान समय कांग्रेस को ही नहीं बल्कि कांग्रेस की गांधीवादी व नेहरू वादी धर्म निरपेक्ष नीतियों को सीधी चुनौती दक्षिण पंथी शक्तियों द्वारा दी जा रही है। इस समय पार्टी को मजबूत करने व कांग्रेस की नीतियों पर मजबूती से चलने व उन्हें प्रचारित करने की जरुरत है। राहुल गाँधी इस समय जिस साहस के साथ सत्ता पर हमला कर रहे हैं और भारत जोड़ो यात्रा शुरू कर रहे हैं ऐसे समय में पार्टी के साथ मजबूती से खड़े रहने की जरुरत थी न कि सोनिया गाँधी को लिखे पत्र में यह प्रवचन देने की कि -'पार्टी को 'भारत जोड़ो अभियान' से पहले 'कांग्रेस जोड़ो अभियान' चलाना चाहिए था'। कांग्रेस छोड़ते समय सोनिया गांधी को अपनी व्यथा बताते हुए आजाद लिखते हैं कि पार्टी के शीर्ष पर एक ऐसा आदमी थोपा गया जो गंभीर नहीं है। आश्चर्य है कि एक दशक से भी लंबे समय तक उसी 'आदमी ' के साथ काम करने के बाद उन्हें यह पता चला ? और यदि राहुल गाँधी जैसा सत्ता की गलत नीतियों पर आक्रामक रहने वाला नेता उन्हें गंभीर नजर नहीं आता तो यह उनकी आँखों की कमजोरी हो सकती है राहुल की नहीं। वे लिखते हैं कि पार्टी के अहम फैसले राहुल गांधी की चाटुकार मंडली ले रही है। यह संभव है,परन्तु राजीव व सोनिया गाँधी के समय आप भी ऐसी ही चाटुकार मण्डली के सदस्य थे तब तो सब ठीक ठाक था आज आपको उस चाटुकार मण्डली में तवज्जोह कम दी जा रही है लिहाजा आपको बुरा लग रहा है ? आपने लिखा कि पार्टी के सभी अनुभवी नेताओं को दरकिनार कर दिया गया है। इस आरोप से साफ है कि आप राज्य सभा की कुर्सी पाने में नाकाम रहे इसलिये आप ऐसे आरोप लगा रहे हैं। आप फरमाते हैं कि पार्टी अब इस हाल में पहुँच गई है कि वहाँ से वापस नहीं लौट सकती। जाहिर है इस दुर्दशा के लिये में आप जैसे ही पैराशूट नेता जिम्मेदार हैं। जो जनाधार विहीन भी हैं और पद व सत्ता के बिना रह भी नहीं सकते। आज आपको यह महसूस हुआ कि पार्टी के अहम फैसले राहुल गांधी के सिक्योरिटी गार्ड और पीए ले रहे हैं? आर के धवन,यशपाल कपूर का जमाना शायद आजाद भूल गये। एक दशक बाद आजाद को यह भी याद आया कि राहुल गांधी का अध्यादेश फाड़ने का फैसला बिल्कुल बचकाना था। पार्टी छोड़ते वक़्त ही उन्होंने आरोपों का पुलिंदा तैयार किया? सोनिया गाँधी को लिखे पत्र में उन्होंने यह भी कहा है कि पार्टी के भीतर की लोकतांत्रिक प्रक्रिया एक तमाशा बन गयी है। और यह भी कि पार्टी को चलाने के लिए एक और कठपुतली की तलाश हो रही है। आजाद को यह महसूस करना चाहिये कि आज उन्हें देश जितना भी जानता है वह इसी 'कठपुतली ' व पार्टी की लोकतान्त्रिक प्रक्रिया में व्याप्त कथित तमाशे के ही कारण। यदि वे कांग्रेस पार्टी में कद्दावर व जनाधार रखने वाले नेता होते तो कश्मीर में उनका जनाधार महाराष्ट्र में शरद पवार व बंगाल में ममता बनर्जी जैसा होता। और वे भी अपने बल पर कश्मीर में कुछ कर दिखाते। परन्तु कल तक वे भी कांग्रेस आलाकमान की उसी 'चौकड़ी ' का हिस्सा थे जिसे राहुल गाँधी आज बदल रहे हैं। खबर है कि कैप्टन अमरेंद्र सिंह तर्ज पर वे भी किसी क्षेत्रीय दल बनाने की फिराक हैं। उन्हें ऐसा जरूर करना चाहिये ताकि अपने जनाधार का अंदाजा भी हो सके साथ यह अंदाजा भी हो सके कि जिस कांग्रेस विशेषकर नेहरू-गाँधी परिवार ने उन्हें हर पद व सम्मान दिया उसके बिना वे अकेले अपने दम पर आखिर कर भी क्या सकते हैं। और करें भी क्यों ना क्योंकि आखिरकार -'कल तक जो खुद 'गुलाम ' थे,आजाद हो गये'।

आज का कार्टून।

ट्विन टावर के मकड़जाल में निवेशक और बैंक ठगे गए

लेखक -सिद्धार्थ शंकर /ईएमएस

-पतली गली से बच निकलेंगे, राजनेता और अधिकारी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा की 32 मंजिला ट्विन टावर को विस्फोटक लगाकर जमींदोज कर दिया गया।कई वर्षों में तैयार टावर मात्र 9 सेकंड में जमींदोज हो गए। देश का 500 करोड़ रुपया एक ही झटके में मलबे में तब्दील हो गया। मीडिया में ट्विन टावर को गिराने को लेकर संस्थाएं अपनी पीठ थपथपा रही हैं। कोई यह जवाब नहीं दे पा रहा है, कि 500 करोड़ रुपए की यह बहु मंजिला इमारत के लिए नियमों को बदलने वाले और बिल्डर को स्वीकृति देने वाले राजनेता और अधिकारी क्यों बचे रह गए। समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर सुप्रीम कोर्ट का कहर बिल्डर्स के ऊपर गिरा। बिल्डर ने बैंकों से करोड़ों रुपए फाइनेंस करा रखे थे। सरकारी अनुमतियाँ दिखाकर बिल्डर ने फ्लैट बुक करने वालों से करोड़ों रुपए जमा कराए थे। देश के 500 करोड़ रुपए बिल्डिंग बनाने में खर्च हुए थे। उसे गिराकर हम खुश हो रहे हैं। इतने बड़े राष्ट्रीय नुकसान के लिए जिम्मेदार राजनेताओं और अधिकारियों की यदि संपत्ति भी जप्त हो जाती, तो भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी करने सेजिम्मेदा लोग डरते। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ऐतिहासिक फैसला किया है। लेकिन अधिकारियों और राजनेताओं पर कार्यवाही ना करने से यह फैसला अधूरा लग रहा है। सुपर टेक कंपनी के इस प्रोजेक्ट को पहले 10 मंजिला की अनुमति मिली थी। लिमिटेड कंपनी होने के कारण इसमें निवेशकों का पैसा जमा है। 2 बार नियमों में परिवर्तन कर राजनेताओं ने सीमा बढ़ाई। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों ने 32 और 40 मंजिला टावर बनाने की अनुमति दी। बैंकों ने फाइनेंस किया। निवेशकों ने अनुमतियां देखकर फ्लैट बुक किए।करोड़ों रुपए का निवेश प्रोजेक्ट में किया। रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुप्रीम कोर्ट में सारे तथ्य सामने आए। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की जड़ बने राजनेताओं और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई ना करके, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक तरह से बचने का मौका उपलब्ध करा दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में नियमों में परिवर्तन हुआ। राजनेता समय-समय पर बड़ी तेजी के साथ नियमों को बदल देते हैं। यह सभी नियम बड़े प्रोजेक्ट बड़ी रिश्वत के कारण ही बदले जाते हैं। नियम आम आदमी के लिए होते हैं। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नियमों में बदलाव होने के बाद परमिशन जारी की। प्रथम दृष्टया इसके लिए 26 अधिकारियों को दोषी मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इन अधिकारियों पर कब मुकदमा दर्ज होगा, कब कार्यवाही होगी, कब गिरफ्तारी होगी। कितने साल मुकदमा चलेगा। जिन 26 अधिकारियों पर एफआइआर के आदेश हुए हैं। उन पर कितने वर्ष तक मुकदमा चलेगा। कितने वर्षों में अंतिम निर्णय आएगा, इसकी कोई समय सीमा नहीं है। 19 अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सात वर्तमानअधिकारी सेवा में हैं। जिम्मेदार राजनेता, जिन्होंने नियमों में परिवर्तन किए हैं। उसके बारे में कोई जिम्मेदारी निर्धारित नहीं की जा रही है। जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक लिमिटेड के टावरों को ढहाने तथा निवेशकों को जमा राशि वापस करने के आदेश दिए हैं। जिन लोगों ने टावर में फ्लैट बुक कराए थे।

पाकिस्तान को मदद की जरुरत

पाकिस्तान में पहले से ही आर्थिक और राजनीतिक संकट गहराया हुआ है। अब प्राकृतिक संकट ने उसका दम फुला दिया है। घनघोर बरसात और बाढ़ के कारण लगभग आधा पाकिस्तान पानी में डूब गया है। सवा हजार से ज्यादा लोग मर चुके हैं। लाखों लोगों के घर ढह गए हैं। करोड़ लोगों को खाने-पीने की सांसत हो गई है। 4000 किमी की सड़कें उखड़ गई हैं। डेढ़ सौ से ज्यादा पुल ढह गए हैं। 2010 में भी लगभग ऐसा ही भयंकर दृश्य पाकिस्तान में उपस्थित हुआ था लेकिन इस बार जो महाविनाश हो रहा है, उसके बारे में प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा है कि ऐसा वीभत्स दृश्य उन्होंने अपनी जिंदगी में कभी नहीं देखा। यदि यही स्थिति दो-तीन दिन और बनी रही तो सिंधु नदी और काबुल नदी का उफनता हुआ पानी पता नहीं कितने करोड़ अन्य लोगों को अनाथ कर देगा। इस साल पाकिस्तान के सिंध और बलूचिस्तान में हर साल के मुकाबले तीन गुने से ज्यादा पानी बरसा है। कुछ गांवों और शहरों में इस बार 8-10 गुना पानी ने खेत-खलिहान और बस्तियों को पूरी तरह डुबा दिया है। पाकिस्तान के 150 जिलों में से 110 जिले इस वक्त आधे या पूरे डूबे हुए हैं। यदि प्रकृति का प्रकोप इसी तरह कुछ दिन और चलता रहा तो पाकिस्तान की हालत अफगानिस्तान और यूक्रेन से भी बदतर हो सकती है। उसके नेता अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोश और कई मुस्लिम राष्ट्रों से मदद की गुहार लगा रहे हैं। संयुक्तराष्ट्र संघ ने राष्ट्रों के नाम अपील जारी करके पाकिस्तान के लिए मदद मांगी है। ब्रिटेन ने 15 लाख पौंड भिजवाए हैं। ईरान, यूएई और सउदी अरब भी जल्दी ही मदद भिजवानेवाले हैं। यूएई 3000 टन अनाज और दवाइयां भी भिजवा रहा है लेकिन पाकिस्तान के कई पत्रकारों और नेताओं ने मुझसे फोन पर कहा है कि यदि इस मौके पर भारत भी मदद के लिए हाथ बढ़ाए तो कमाल हो जाएगा। वैसे तो 2010 के संकट के समय मैंने खुद राष्ट्रपति आसिफ जरदारी को फोन करके पूछा था कि अगर भारत कुछ मदद पहुंचाए तो कैसा रहेगा?

बिखरती कांग्रेस और राहुल पर उठते सवाल

लेखक-ऋतुपर्ण दवे (ईएमएस)

क्या कांग्रेस एक बार फिर और कमजोर हो गई? ऐसे सवाल राजनीतिक गलियारों में अब नए नहीं है और न ही कोई सनसनी फैलाते हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले हालिया नेताओं में से लगभग 90 प्रतिशत बल्कि उससे भी ज्यादा ने राहुल गांधी की लीडरशिप पर सवाल उठाया है। गुलाम नबी आजाद के आरोप हैरान नहीं करते हैं। पहले भी कांग्रेस से अलग होते वक्त या होकर कई और नेताओं ने तब की लीडरशिप पर सवाल उठाए थे। ऐसे में ये सवाल बेमानी सा लगता है कि क्या वाकई राहुल अनुभवहीन हैं या वजह कुछ और है? थोड़ा पीछे भी देखना होगा। 1967 के पांचवें आम चुनाव में ही कांग्रेस को पहली बार जबरदस्त चुनौती मिली थी जिसमें पार्टी 520 लोकसभा सीटों में 283 जीत सकी। कांग्रेस का यह तब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। लेकिन इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने के बाद कांग्रेस में अंर्तकलह शुरू हो गई। इसी कलह के चलते महज दो बरस यानी 1969 में कांग्रेस (ओ) यानी कांग्रेस ऑर्गनाइजेशन टूट गई। मूल कांग्रेस की अगुवाई कामराज और मोरारजी देसाई कर रहे थे और इंदिरा गांधी ने कांग्रेस (आर) रेक्वेजिसिन्स्ट्स यानी कांग्रेस (आवश्यक्तावादी) के नाम से नई पार्टी बनाई। इसमें अधिकतर सांसद इंदिरा गांधी के साथ थे। 1977 में कांग्रेस (ओ) जनता पार्टी में मिल गई तो 1978 में इंदिरा गांधी की कांग्रेस (आई) बनी और 6 साल बाद चुनाव आयोग से 1984 में असली कांग्रेस के तौर पर मान्यता भी मिली। 1996 में कांग्रेस के नाम से आई हटा और पार्टी इंडियन नेशनल कांग्रेस हो गई। लेकिन कांग्रेस से जाने वालों में कमीं नहीं आई। अगर कहें कि कांग्रेस में बिखराव, टूटन, गुटबाजी या वर्चस्व की लड़ाई नई नहीं है तो बेजा नहीं होगा। यूं तो आजादी से पहले ही कांग्रेस दो बार टूट चुकी है। 1923 में सीआर दास और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी का गठन किया तो 1939 में सुभाषचंद्र बोस ने सार्दुल सिंह और शील भद्र के साथ मिलकर अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक बनाई। आजादी के बाद 1951 में भी कांग्रेस टूटी जब जेबी कृपलानी अलग हुए और किसान मजदूर प्रजा पार्टी बनाई। एनजी रंगा ने हैदराबाद स्टेट प्रजा पार्टी बनाई तो सौराष्ट्र खेदुत संघ भी तभी बना। 1956 में सी. राजगोपालाचारी ने इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी बनाई। इसके बाद 1959 में बिहार, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा में कांग्रेस टूटी। यह सिलसिला लगातार जारी रहा। 1964 में केएम जॉर्ज ने केरल कांग्रेस बनाई। 1967 में चौधरी चरणसिंह ने कांग्रेस से अलग होकर भारतीय क्रांति दल बनाया। बाद में चौधरी चरण सिंह ने लोकदल बनाया। कांग्रेस से अलग होकर वजूद या पार्टी बनाने वाले कई दिग्गजों ने वापसी भी की तो कुछ ने नए दल के साथ पहचान बनाई। इनमें प्रणब मुखर्जी, अर्जुन सिंह, माधव राव सिंधिया, नारायणदत्त तिवारी, पी. चिदंबरम, तारिक अनवर प्रमुख हैं। यह कुछ प्रमुख नाम हैं जो कांग्रेस छोड़कर तो गए लेकिन लौट भी आए। भले ही पीछे किन्तु-परन्तु कुछ भी हो। इनके उलट ममता बनर्जी, शरद पवार, जगन मोहन रेड्डी, मुफ्ती मोहम्मद सईद, अजीत जोगी ऐसे नेता बने जिन्होंने कांग्रेस से बगावत कर अपनी पहचान और मजबूत की। ये बातें अब सालों साल पुरानी हो गई हैं। अब कांग्रेस से अलग होकर सीधे प्रमुख प्रतिद्वन्द्वी भाजपा में शामिल की नेताओं में होड़ सी लग गई है। ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हार्दिक पटेल, सुनील जाखड़, चौधरी वीरेन्द्र सिंह, रीता बहुगुणा जोशी समेत कई नाम हैं। पंजाब में कैप्टन अमरिन्दर ने भी अपनी उपेक्षा के चलते नई पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) बना डाली। राजनीतिक गलियारों की चर्चा को सही मानें तो इसका भी विलय भाजपा में हो जाए तो चौंकाने वाला कुछ नहीं होगा। इसी तरह गुलाम नबी आजाद का भी नई पार्टी का ऐलान जम्मू-कश्मीर में खुद को मजबूत करने वाला कदम है। यहां वह शायद ही भाजपा के साथ चुनावी गठबन्धन करें क्योंकि चुनाव बाद की परिस्थियों को देख किंग मेकर की भूमिका में जरूर आएंगे। अभी से ऐसे कयास दूर की कौड़ी ही हैं। दलबदल के चलते भारत में सत्ता परिवर्तन अब आम बात हो गई है। दलबदल का सबसे बड़ा उदाहरण 1980 में दिखा। जब 21 जनवरी की रात भजनलाल अपने समर्थक विधायकों के साथ इंदिरा गांधी के दिल्ली दरबार पहुंचे और उनके गुट को कांग्रेस में शामिल करने की मंजूरी मिल गई। सुबह हुई तो पता चला कि रात तक प्रदेश में जनता पार्टी सरकार थी जो सुबह कांग्रेस सरकार में तब्दील हो गई। इस तरह रातों-रात जनता पार्टी सरकार का वजूद ही खत्म हो गया। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि किसी मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रियों समेत ही पार्टी बदल ली। बस यही सिलसिला अब भी जारी है, जिसमें वक्त के साथ तौर-तरीकों में थोड़ा बदलाव जरूर आया है। हां, इस सच को कुबूलना ही होगा कि आजादी के बाद कांग्रेस से टूटकर करीब 70 से ज्यादा दल बन चुके हैं। कई खत्म हो गए तो कई कायम हैं। यही सिलसिला अब भी जारी है। सच तो यह है कि केवल कांग्रेस ही नहीं दूसरे राजनीतिक दलों में आयाराम-गयाराम का सिलसिला बेधड़क चल रहा है। इतना जरूर है कि देश के बड़े, पुराने और अहम राजनीतिक दलों में शुमार होने के चलते कांग्रेस में उठा-पटक होने पर थोड़ा ज्यादा हल्ला मचता है।

प्रसंगतः

हरिनाम की महिमा

गुरु तेगबहादुरजी भक्ति और शक्ति के उपासक थे। उन्होंने 1675 में धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली में बलिदान देकर यह सिद्ध किया कि एक धर्मगुरु और कवि - साहित्यकार समय आने पर धर्म की रक्षा के लिए सिर भी कटा सकता है। बलिदान देने से पूर्व अनेक वर्षों तक गुरु तेगबहादुरजी ने देश का भ्रमण कर असंख्य लोगों को सदाचार का उपदेश दिया। पंजाब के अनेक कसबों व गाँवों में पीने के पानी का अभाव दूर करने के लिए उन्होंने श्रमदान कर तालाब बनवाए, कुएँ खुदवाए। एक बार गुरु महाराज तलवंडी से भटिंडा होते हुए सुलसट पहुँचे। उनके पास एक सुंदर घोड़ा था। चार चोर उस घोड़े को चुराने के लिए युक्ति करने लगे। गुरुजी उनका मंतव्य जान गए। उन्होंने कहा, 'यदि घोड़े पर नीयत है, तो चोरी क्यों करते हो! मुझसे माँगकर ले जाओ। उनकी प्रेममय वाणी सुनकर चोरों को इतनी आत्मग्लानि हुई कि दो ने पश्चात्ताप के रूप में तत्काल आत्महत्या कर ली। गुरुजी ने अगले पड़ाव में भक्तजनों के बीच प्रवचन देते हुए कहा कि पाप के प्रायश्चित्त का साधन आत्महत्या नहीं है। व्यक्ति ईश्वर का नाम सुमिरन करके हर तरह के पाप से मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा, 'शर्त यही है कि भविष्य में पाप न करने का दृढ़ संकल्प ले लिया जाए। लोभ, लालच व हिंसा की भावना त्याग देने वाले का हृदय स्वतः निर्मल बन जाता है।' उनके सदुपदेशों से लाखों व्यक्तियों ने दुर्गुण त्यागकर अपना कल्याण किया।

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 3

25 सितंबर को गठबंधन सरकार को चलता करने का संकल्प लेगा हर वर्ग : अभय चौटाला

सिरसा, (हि.स.)। 25 सितंबर को जिला फतेहाबाद में होने वाला चौधरी देवीलाल जयंती समारोह ऐतिहासिक होगा और इसमें सभी वर्गों के लाखों लोग जननायक ताऊ देवीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। वे मंगलवार को कालांवाली हलके के गांव सहारणी, मीरपुर, अहमदपुर, नेजाडेला कलां, हांडीखेड़ा, वैदवाला, सिकंदरपुर व पनिहारी सहित करीब डेढ़ दर्जन गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि इनेलो द्वारा प्रतिवर्ष चौधरी देवीलाल जयंती पर विशाल आयोजन किया जाताा है जिसमें प्रदेशभर से लाखों लोग अपने सम्मानीय नेता को नमन कर उनके प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं। इस बार भी यह आयोजन जिला फतेहाबाद में आयोजित किया जाएगा जिसमें चौधरी देवीलाल के पुराने सहयोगी व उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाने वाले गणमान्य लोगों के साथ-साथ हरियाणा व अन्य राज्यों से लाखों लोग चौधरी देवीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने कहा कि आयोजन की तैयारियां आरंभ की जा चुकी हैं और पार्टी के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रदेशभर में लोगों को इस आयोजन के लिए न्यौता दे रहे हैं। अभय चौटाला ने कहा कि उन्होंने स्वयं सिरसा जिले

के प्रत्येक गांव में जनसंपर्क कर ग्रामीणों को इस आयोजन का निमंत्रण दिया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिरसा के प्रत्येक गांव में विकास के नाम पर एक नई ईंट भी नहीं लगी है और वर्तमान सरकार विकास का ढिंढोरा पीटते हुए नहीं थक रही। इनेलो नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर कोई कार्य नहीं हुआ और महज जनता को झूठी घोषणाओं के बूते भ्रमित किया गया है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार के प्रति प्रदेश की जनता में खासा रोष है और इसी रोष को व्यक्त करने के लिए लाखों लोग 25 सितंबर को चौधरी देवीलाल जयंती में उमड़ेंगे व इस जनविरोधी सरकार को चलता करने का संकल्प लेंगे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व विधायक डॉ. सीताराम, इनेलो प्रदेश कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य जसवीर सिंह जस्सा, जसविंद्र बिंदु, विनोद दड़बी, महंत बलदेवदास, विनोद अरोड़ा, विनोद बेनीवाल, सतपाल छतरियां व भगवान कोटली आदि पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव के विरोध स्वरूप छात्राओं ने रोष प्रदर्शन कर स्कूल को जड़ा ताला

सिरसा, (हि.स.): राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने मंगलवार को अपने अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों, शहर के समाजसेवियों व नौजवान भारत सभा के प्रधान अमन हुंदल के नेतृत्व में विद्यालय अध्यापकों के ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव के विरोध स्वरूप विद्यालय के मुख्य गेट को ताला जड़कर एवं सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर अपना रोष व्यक्त किया। रोष प्रदर्शन दौरान छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य गेट के समक्ष रोड को जाम करने की सूचना मिलते ही रानियां खंड शिक्षा अधिकारी कृष्ण लाल मौके पर पहुंचे। इस दौरान नौजवान भारत सभा के प्रधान अमन हुंदल ने प्रदेश के शिक्षा मंत्री के नाम खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से प्रधान अमन हुंदल ने कहा कि सरकार

नई शिक्षा नीति को तेजी से लागू कर रही है जिसके चलते चिराग योजना व अध्यापकों के ऑनलाइन ट्रांसफर ड्राइव के माध्यम से सरकारी शिक्षा तंत्र पर हल्ला बोला जा रहा है। प्रधान ने कहा कि उक्त स्कूल में अध्यापकों की भारी कमी हो गई है जिस कारण छात्राओं की पढ़ाई बाधित हो रही है। रोष प्रदर्शन दौरान विद्यालय की छात्राओं, नौजवान भारत सभा, अभिभावकों, स्कूल प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों सहित शहर के गणमान्य समाजसेवियों ने सरकार से मांग की है कि राजकीय विद्यालयों में शीघ्रताशीघ्र स्थाई/पक्के अध्यापकों की नियुक्ति की जाए ताकि छात्राओं की नियमित पढ़ाई में किसी भी प्रकार का व्यवधान ना आने पाए इस मौके पर नौजवान भारत सभा के हरि सिंह, सुरेंद्र सिंह, कवलजीत सिंह, समाजसेवी डा. अमरजीत सिंह चानी सहित तमाम छात्राएं व अभिभावक गण मौजूद थे।

सात शोध कैटेगरी में कुवि शिक्षकों के लिए घोषित किए रिसर्च अवार्ड

कुरुक्षेत्र, (हि.स.)। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनें, इसी को देखते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से साइंस व नान साइंस वर्ग के शिक्षकों को सात कैटेगरी में रिसर्च अवार्ड गत वर्ष से शुरू किए गए थे। केयू में शिक्षकों को प्रोजेक्ट के लिए ग्रांट तो मिलती थी लेकिन बेहतर रिसर्च करने पर अवार्ड देकर विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें सम्मानित व प्रोत्साहित करने का कार्य किया जा रहा है। वे मंगलवार को विश्वविद्यालय के कमेटी रूम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों को 7 शोध कैटेगरी में अवार्ड घोषित करते हुए बोल रहे थे। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने कई पहल की हैं जिनमें 2 लाख तक की ग्रांट कुवि

के 50 संकाय सदस्यों को छोटी परियोजनाओं के लिए दी गई है। अब तक केयू के पास 26 पेटेंट हैं और हमारी योजना इस साल दिसंबर 2022 तक अधिक से अधिक पेटेंट दर्ज करने की है। विश्वविद्यालय द्वारा पेटेंट फाइल करने हेतु एक आनरेरी प्रोफेसर पेटेंट नियुक्त किया गया है। पेंटेट फाईल करने का सारा खर्च कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाता है। कुलपति प्रो. सोमनाथ ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण कार्य के लिए व शोध को उच्च स्तर तक ले जाने के लिए कटिबद्ध है। इन रिसर्च अवार्डस को शिक्षकों को बेहतर शोध कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है ताकि शोध के क्षेत्र में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भी देश-विदेश के बेहतर विश्वविद्यालयों के साथ शोध की गुणवत्ता के सभी मापदंडों पर खरा उतर सके। अवार्ड प्राप्त करने वाले प्रत्येक शिक्षक को 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह अवार्ड शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को हर वर्ष प्रदान किए जाते हैं। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ ने कहा कि यह अवार्ड शोध कार्य को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ अनुसंधान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने में मदद करेगा जिससे विश्वविद्यालय के शोध छात्रों व विद्यार्थियों में भी नवाचार की भावना पैदा होगी व प्रेरणा मिलेगी।

प्रोफेशनल बॉक्सर बना चैंपियन, जीता बेल्ट

भिवानी, (हि.स.)। खेल नगरी भिवानी के छोरे रोहित सोलंकी ने दिल्ली के आर्य नगर में आयोजित हुई इंटरनेशनल प्रोफेशनल नाइट फाइट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में चैपियन बेल्ट जीती। रोहित सोलंकी अब आगामी ऑस्ट्रेलिया में होने वाली चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइड हुआ है। विजेता खिलाड़ी का भिवानी पहुंचने पर खेल-प्रेमियों ने गाजे-बाजे के साथ फूल-माला पहनाकर शहर में विजय जुलूस निकाला। सम्मान समारोह के दौरान बॉक्सर रोहित सोलंकी ने बताया कि 28 अगस्त को दिल्ली में आयोजित हुई प्रोफेशनल बॉक्सिंग में यूपी के बॉक्सर को हराकर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाइड किया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में होने वाली चैंपियनशिप में गोल्ड मैडल प्राप्त कर क्षेत्रवासियों, देश में प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने इस जीत का श्रेय अपने माता-पिता व कोच और सभी खेल प्रेमियों को दिया है। साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश भी दिया है।

अध्यापक न होने की वजह से बच्चों ने सरकारी स्कूल पर जड़ा ताला

फरीदाबाद, (हि.स.)। जिले के गांव हीरापुर के सरकारी स्कूल में अध्यापक न होने की वजह से स्कूल के बच्चों ने मंगलवार को स्कूल के गेट पर ताला जड़ दिया और सड़क पर जाम लगा दिया। इस मौके पर स्थानीय निवासी दीपक आजाद ने बताया कि गांव हीरापुर के सरकारी स्कूल में पिछले कुछ महीनों से अध्यापक नहीं है। सिर्फ एक ही हेड मास्टर अब तक मौजूद थे, जिनका हाल ही में ट्रांसफर कर दिया गया और उनकी जगह और कोई नया अध्यापक या हेड मास्टर नियुक्त नहीं किया गया, जिसके चलते बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। कई शिकायतें करने के बावजूद विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर पाया, जिससे क्षुब्ध होकर आज गांव के बुजुर्गों, युवाओं और स्कूली बच्चों ने सरकारी स्कूल का ताला लगाकर के रोड जाम कर दिया। स्कूल पर ताला जडने व जाम लगाने की सूचना मिलते ही मौके पर सरकारी स्कूल के अध्यापक पहुंचे। प्रशासन के द्वारा लिखित आश्वासन देने पर जाम को खुलवाया गया कि 2 दिन के अंदर सरकारी स्कूल में अध्यापकों की व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाएगी, इस आश्वासन पर संतुष्ट होकर के गांव के लोगों ने जाम को खोला गया मौके पर पुलिस प्रशासन भी मौजूद रहा।

रेलवे बोर्ड पैसेंजर सर्विस कमेटी चेयरमैन ने किया पटौदी स्टेशन का दौरा

गुरुग्राम, (हि.स.)। रेलवे बोर्ड पैसेंजर सर्विस कमेटी के चेयरमैन एवं सदस्य एनएफसीएच गृह मंत्रालय रमेश चंद्र रत्न ने मंगलवार को पटौदी रोड रेलवे स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ एडीआरएम अनिरुद्ध सिंह, सीनियर डीसीएम वसंत कुमार और रेलवे बोर्ड के सदस्यों सहित स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जो खामियां मिली उनको अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से दुरुस्त कराने के निदेज्श दिए। स्टेशन पर डेढ़ दर्जन पंखे व एक दर्जन लाइट और तीन दर्जन बेंच, यूरिनल सीट व केंटीन की सुविधा देने का आश्वासन दिया। इस अवसर बीस मांगों के साथ देनिक रेल यात्री संघ ने अध्यक्ष योगिंद्र चौहान के नेतृत्व में एक ज्ञापन सभी मांगों को पुरा करने के लिए दिया। इससे पूर्व दैनिक रेल यात्री संघ

द्वारा उनके स्मृति चिन्ह के रूप में एक मोमेंटो व पगड़ी बांध कर फूल मालाओं से उनका स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूर्व प्रबंधक विजयपाल सिंह, यशपाल चौहान, मास्टर सुरेन्द्र चौहान, केपी मास्टर, शेर सिंह, मनोज मोरवाल, राम सिंह, श्रीपाल सिंह, दलीप पहलवान आदि गण्यमान व्यक्ति मौजूद रहे।

गुजरात के झालोद में दिल्ली क्राइम प्रेस की मीटिंग का आयोजन हुआ जिसमें दिल्ली से डिस्ट्रिक्ट एडवाइजर मौ. शाकिब ने दिल्ली क्राइम प्रेस के प्लान की जानकारी दी झालोद से अल्पेश वसुनिया जोनल एडवाइजर मनोज डामोर, कनुभाई, महेशभाई आदि लोग शामिल रहे।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू

यमुनानगर, (हि.स.)। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन विषय पर मंगलवार को गुरु नानक खालसा कॉलेज के सांस्थानिक विकास योजना समिति के तत्वावधान मे तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का विधिवत ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए जे.सी.बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. सुशील तोमर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की चर्चा करते हुए कहा कि जब तक इस नीति को लागू करने वाले इसे ठीक ढंग से समझ कर आत्मसात नही करेगें तब तक क्रियान्वयन की राह मे बाधाएं मौजूद रहेगीं। उन्होंने कहा कि सभी स्तर के शिक्षकों पर ही नई शिक्षा नीति को लागू करने का दारोमदार टिका हुआ है। इसलिए सभी इसे अपना गंभीर राष्ट्रीय दायित्व समझ

कर लागू करने मे अपना भरपूर योगदान दें। प्राचार्य डॉ.(मेजर) हरिन्दर सिंह कंग ने प्रोफेसर तोमर का स्वागत करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है जो शनै-शनै नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने की दिशा मे आगे बढ रहा है। उसी कडी मे इस तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। उप प्राचार्य डॉ. आर.एस.वालिया ने बताया कि अब शिक्षा विद्यार्थियों और शिक्षकों के निष्पादन पर केन्द्रित होगी ताकि शिक्षा सही मायने मे व्यक्ति,समाज और राष्ट्र निर्माण मे सहायक सिद्ध हो सके। कार्यशाला के दौरान आईडीपीसी के संयोजक डॉ. ज्ञान भूषण और डॉ. अनुराग ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के तौर तरीकों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभी विभागों के अध्यक्ष और प्राध्यापक भी उपस्थित थे।

आमजन को न्याय दिलाने में वकील अहम भूमिका निभाते हैं : कार्तिकेय शर्मा

यमुनानगर, (हि.स.)। जिला बार एसोसिएशन जगाधरी के सभागार में मंगलवार को सांसद राज्य सभा कार्तिकेय शर्मा के पहुंचने पर प्रधान बृजेश कुमार पुण्डीर एवं कार्यकारिणी सहित सभी वकीलों द्वारा उनका स्वागत किया गया। बार एसोसिएशन के प्रधान बृजेश कुमार पुण्डीर द्वारा सांसद राज्य सभा के जीवन परिचय के बारे में बताया और यह भी बताया कि सांसद राज्य सभा कार्तिकेय शर्मा के सांसद बनने के बाद उनका यह पहला दौरा है। इस मौके पर राज्य सभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि यमुनानगर में खुद भी सभी बुद्धिजीवियों से मिलने के लिए उत्सुक थे और यहि उत्सुकता

मुझे यहां खींच लाई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, लोह पुरूष सरदार वल्लभ पटेल, डॉ. बीआर अम्बेडकर और प. जवाहर लाल नेहरू आदि अन्य राज्य नेता भी न्यायिक पृष्टभूमि से ही संबंध रखते थे। आज भी 1 सौ 50 से ज्यादा सांसद न्यायिक पृष्टभूमि से ही है। उन्होंने कहा कि आम जनता को न्याय दिलाने में वकील अपनी अहम भूमिका निभाते है। जो आम जनता को जल्द, सुलभ न्याय दिलवाने की दिशा में भरसक प्रयास करते रहते है। इसके तहत सरकार द्वारा गरीब जनता को न्याय दिलवाने के लिए स्थाई लोक अदालत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, फास्ट ट्रैक कोर्ट और उपभोगता न्यायालय को हर जिले में चलाया जा रहा है। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश पुंडीर द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जगाधरी के एसडीएम सुशील कुमार सहित सभी अधिवक्तागण भी मौजूद रहे।

स्वरोजगार के लिए 11 लोगों को दिए 10 लाख रुपये के ऋण स्वीकृति पत्र

गुरुग्राम, (हि.स.)। प्रदेश में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए स्थापित हरियाणा पिछड़े वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कल्याण निगम के प्रबंध निदेशक जयबीर सिंह आर्य ने मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मंगलवार को 11 लाभार्थियों को 10 लाख से अधिक राशि के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए। जयबीर आर्य ने लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र वितरित करने उपरान्त अपने संबोधन में कहा कि निगम द्वारा प्रदेश के पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक एवं दिव्यांगजन समुदाय के व्यक्तियों को राष्ट्रीय निगमों के सहयोग से भिन्न-भिन्न योजनाओं के तहत सस्ती ब्याज दरों व आसान किस्तों में ऋण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इसी क्रम में पिछले एक वर्ष में निगम ने प्रदेशभर में मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के माध्यम से पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय व दिव्यांगजन समुदाय के 699 व्यक्तियों को साढ़े चार करोड़ रुपए से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है। वहीं अगस्त माह के अंत तक ऊपरोक्त योजना के माध्यम से 300 पात्र व्यक्तियों को तीन करोड़ रुपए के ऋण वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है।

BVC318830 Mob. : 9758352804
ADVOCATE
श्रीमती संतोष बालियान
स्पेलिस्ट : दीवानी, फौजदारी, एक्सीडेन्ट कलेम
चैम्बर नं.30, न्यू बिल्डिंग, तेजेन्द्र कुमार अधिवक्ता चैम्बर्स,
दूसरी मंजिल (सर्विस क्लब के पास) क्लैक्ट्रट कम्पाउण्ड, मु०नगर

नाम दीपक कुमार
हाइट,5 फुट
कलर, सवाल
मोबाईल नंबर,9702776974
ग्राम, पो . बेलखरा, बेलखारा ,
राय बरेली, उत्तर प्रदेश , पिन कोड
229125

BVC559543 9068272836 9368063739
लिमरा
हैल्थ कैयर सैन्टर
Dr. Tasmeen Jahan
B.U.M.S.
Dr. Abdul Bari
M.B.B.S., M.D., M.S. (Surgeon)
24hr SERVICE EVERYDAY
Dr. S.M. Rihan
(General Physician)
चक्कर वाली सड़क, जनकपुरी, मुजफ्फरनगर

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 4

भारत ने अफगानिस्तान को भेजा 40 हजार मीट्रिक टन गेहूं, गुरुद्वारों में हमलों पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र (हि.स.)। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कहा है कि उसने अफगानिस्तान को 40 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं भेजा है। सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने अफगानिस्तान को देश की ओर से पहुंचाई जा रही मदद का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने काबुल के पड़ोसी और पुराने साझेदार के रूप में अपनी स्थिति सुनिश्चित की है। उन्होंने वहां के गुरुद्वारों पर हो रहे हमलों पर भी चिंता जताई। रुचिरा ने कहा कि हमने सुरक्षा परिषद में बार-बार कहा है कि शांति और स्थिरता की वापसी सुनिश्चित करने का भारत पक्षधर है। अफगान लोगों से हमारे मजबूत ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध हैं। उन्होंनेकहा कि अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से की गई अपील के जवाब में हमने कदम उठाए हैं। भारत ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के कई शिपमेंट भेजे हैं। 10 बैचों में 32 टन चिकित्सा सहायता भेजी गई है। इसमें कोरोना टीकों की 50,0000 खुराक शामिल हैं। यह चिकित्सा खेप विश्व स्वास्थ्य संगठन और काबुल के इंदिरा गांधी चिल्ड्रन हॉस्पिटल को सौंपी गई है। सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा- काबुल में 18 जून को सिख गुरुद्वारे पर हमला हुआ। इसके बाद 27 जुलाई को उसी गुरुद्वारे के पास एक और बम विस्फोट हुआ। अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक स्थलों पर हमलों की यह शृंखला बेहद खतरनाक है।

इराक में शिया धर्मगुरु ने राजनीति छोड़ी, बगदाद में हिंसा, राष्ट्रपति भवन में घुसे समर्थक, 20 की मौत, कर्फ्यू

बगदाद, (हि.स.)। इराक के प्रभावशाली शिया मौलवी मुक्तदा अल-सदर की सोमवार को राजनीति से किनारा करने की घोषणा के बाद समर्थकों में गहरी नाराजगी है। बगदाद में हालात बेकाबू हो गए हैं। समर्थकों और अन्य लोगों ने राष्ट्रपति के महल और अन्य सरकारी दफ्तरों में धावा बोल दिया। सुरक्षा बलों के साथ हुए टकराव में कम से कम 20 लोगों की जान चली गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस बीच देश में कर्फ्यू लगा दिया गया है। बिगड़ी परिस्थितियों के मद्देनजर पड़ोसी देश ईरान ने इराक जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद कर दीं और सीमा पर सभी प्रवेश द्वार बंद कर दिए हैं। इराक के ताजा हालात पर संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने लोगों से शांति की अपील की है। अल-सदर के गुट ने भी संसद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे की घोषणा से उनके समर्थक भड़क गए हैं। यह लोग सरकारी संपत्ति को निशाना बना रहे हैं सेना ने बगदाद में स्थानीय समयानुसार शाम सात बजे कर्फ्यू की घोषणा की। भीड़ हिंसा पर आमादा है। लोग तोड़फोड़ कर रहे हैं। इस बीच शिया मुस्लिम धर्मगुरु अल-सदर ने हिंसा और हथियारों का इस्तेमाल बंद होने तक भूख हड़ताल की घोषणा की है। इराक की सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए और स्टेट टीवी ने सोमवार देररात अल-सदर की यह घोषणा प्रसारित की है। हालांकि अल- सदर के कार्यालय से तत्काल कोई पुष्टि नहीं हुई। बिगड़े हालत के बाद कुवैती दूतावास ने इराक में अपने नागरिकों से देश छोड़ने का आग्रह किया है। प्रतिद्वंद्वी शिया समूहों के बीच झड़पों के बाद दूतावास ने इराक की यात्रा करने के इच्छुक लोगों से अपनी योजनाओं को स्थगित करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए संसदीय चुनाव के बाद से इराक सरकार गतिरोध का सामना कर रही है। चुनाव में अल-सदर की पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें तो मिलीं, लेकिन वह बहुमत से दूर रही। सरकार बनाने के लिए उन्होंने ईरान समर्थक शिया प्रतिद्वंद्वियों के साथ समझौता करने से इन्कार कर दिया था। जुलाई में अल-सद्र के समर्थक उनके प्रतिद्वंद्वी को सरकार बनाने से रोकने के लिए संसद तक में घुस गए। इसके बाद से वे संसद भवन के बाहर धरने पर बैठे हैं।

पाकिस्तान में बाढ़ पीड़ितों से भरी नाव सिंधु नदी में पलटी, 13 की मौत

कराची, (हि.स.)। बाढ़ की विभीषिका से घिरे पाकिस्तान में सिंधु नदी में नाव पलटने से कम से कम 13 लोगों की जान चली गई। इस हादसे में कई लोग लापता हो गए। सिंधु नदी इस समय पूरे उफान पर है। पाकिस्तान में बाढ़ से अब तक करीब डेढ़ हजार लोगों की जान जा चुकी है। मूसलाधार बरसात के बाद खराब हुए हालात में लाखों लोग बेघर हो गए हैं। सड़कें और पुल ध्वस्त हो चुके हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, सोमवार को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंधु नदी में बाढ़ प्रभावित लगभग 25 पीड़ितों को ले जा रही एक नाव के पलट जाने से यह हादसा हुआ। यह घटना सिंध के सहवान शहर के बिलावलपुर गांव में हुई है। इन बाढ़ पीड़ितों का रेस्क्यू कर नाव के जरिए राहत शिविरों में ले जाया जा रहा था। पाकिस्तान सरकार ने बाढ़ के बाद बने हालात को 'राष्ट्रीय आपातकाल' घोषित किया है। मुल्क के करीब 110 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। छियासठ जिलों को आधिकारिक तौर पर 'आपदा प्रभावित' घोषित किया गया है।

महिला को नीलामी में खरीदें घर में गुप्त तिजोरी में मिले दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े दस्तावेज, बुलाई पुलिस

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। अमेरिका में एक महिला ने एक आवास को नीलामी में खरीदा और उसके रिनोवेशन के दौरान उसे एक गुप्त तिजोरी मिली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 28 साल की टिफनी मा कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में रहती हैं। उन्होंने अपने पार्टनर मैट के साथ मिलकर एक घर खरीदा और उसे रेनोवेट करने के बारे में सोचा। उन्होंने घर को नीलामी में खरीदा था और बिना देखे ही उसे ले लिया था। जब वो घर पहुंचीं तो उन्होंने पाया कि पुराने मालिक से जुड़ी कई चीजें पहले से ही उस घर में मौजूद हैं। पुराना टीवी सेट, सोफा, अन्य फर्नीचर उस घर में देखने को मिल रहे थे मगर अचानक टिफनी की नजर एक खुफिया तिजोरी पर गई जिसे पूरी तरह से सील कर दिया गया था। महिला ने तुरंत उसे काटने के लिए लोगों को बुलाया और जब अंदर के सामान को देखा तो उसके होश उड़ गए। उसमें ऐसी-ऐसी चीजें थीं जिसे देखकर लग रहा था कि वो किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखी गई हैं।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को दिया 1.17 बिलियन डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद, (हि.स.)। आर्थिक संकट और बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहे पड़ोसी देश पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 1.17 बिलियन डॉलर (9300 करोड़ से अधिक) का कर्ज देकर बड़ी राहत दी है। यह जानकारी पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल ने ट्वीट कर दी। पाकिस्तान के कर्ज विस्तारित फंड सुविधा (ईएफएफ) के पुनरुद्धार को आईएमएफ ने मंजूरी दी है। इसके साथ ही पाकिस्तान को 1.17 बिलियन अमेरिकी डॉलर (9300 करोड़ से अधिक) की 7वीं और 8वीं किस्त जारी हो जाएगी। इस्माइल ने कहा है कि आईएमएफ बोर्ड ने हमारे ईएफएफ कार्यक्रम के पुनरुद्धार को मंजूरी दे दी है। इससे पहले अप्रैल 2020 में आईएमएफ बोर्ड ने पाकिस्तान को 1.386 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मंजूरी दी थी। लेकिन अभी तक राशि नहीं मिल पाई है। वित्त मंत्री ने देश को बधाई दी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को 'कठोर निर्णय लेने' और 'पाकिस्तान को डिफाल्ट से बचाने' के लिए धन्यवाद दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईएमएफ पाकिस्तान को लगभग 1.2 बिलियन अमरीकी डॉलर का जारी करेगा और चालू वित्त वर्ष के शेष भाग में 4 बिलियन अमरीकी डॉलर तक प्रदान कर सकता है, जो 1 जुलाई से शुरू हुआ था। हालांकि, वैश्विक ऋणदाता द्वारा एक आधिकारिक बयान जारी किया जाना बाकी है। रिपोर्टों के अनुसार पाकिस्तान अब तक चीन, सऊदी अरब, कतर और यूएई से ऋण, वित्तपोषण, अस्थगित तेल भुगतान और 12 बिलियन अमरीकी डॉलर के करीब निवेश प्रतिबद्धताओं को सुरक्षित करने में कामयाब रहा है। इससे नकदी की कमी वाले देश को अभी के लिए डिफाल्ट से बचने में मदद मिलेगी। यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में दक्षिण एशिया कार्यक्रमों के निदेशक तमन्ना सालिकुद्दीन के अनुसार कई मतभेदों के बावजूद अमेरिका अभी भी आईएमएफ के माध्यम से ऋण का समर्थन कर रहा है।

ताइवान सीमा में प्रवेश करने वाले चीनी ड्रोन को मार गिराने की चेतावनी

ताइपे, (हि.स.)। चीन-ताइवान के बीच तनाव घटने के बजाय लगातार बढ़ता ही जा रहा है। ताजा कड़ी में ताइवान रक्षा मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि उसके सैनिक घुसपैठ करने वाले चीनी ड्रोन को मार गिराएंगे जोकि चेतावनी के बाद भी उसकी सीमा पर प्रवेश करेंगे या अधिक फुटेज लेने का प्रयास करेंगे। ताइवान ने सीमा के आसपास कई चीनी ड्रोन दिखने के बाद यह घोषणा की है। चीनी सोशल मीडिया वीबो पर हाल के दिनों में कुछ फोटो और वीडियो फुटेज सामने आए हैं जिसमें चीनी ड्रोन ताइवान के हवाई क्षेत्र का खुले तौर पर उल्लंघन कर रहे हैं और ताइवान के सैनिकों के क्लोज-अप फुटेज ले रहे हैं। एक मामले में ड्रोन पर पत्थर फेंकते हुए भी देखा जा सकता है। सबसे ताजा घटना 27 अगस्त की है जिसमें एक चीनी ड्रोन ने किनमेन काउंटी के लियू टाउनशिप में तैनात ताइवानी सैनिकों के फुटेज को कैप्चर किया। किनमेन डिफेंस कमांड ने कहा कि मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार, सैनिकों ने ड्रोन पर चेतावनी फ्लेयर्स दागे और निगरानी और सतर्कता को बनाए रखा। इसके बाद के लिए चीन को चेतावनी दी गई कि भविष्य में ड्रोन घुसपैठ करता है तो सेना ड्रोन को सीमा से बाहर करने के लिए जरूरी कदम उठाएगी। पहले चेतावनी के तौर सीटी बजाना, रेडियो चेतावनी प्रसारित करना और फायरिंग सिग्नल भड़कना, लेकिन अगर यूएवी बाहर नहीं जाता है तो उसको नष्ट कर दिया जाएगा। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा कि बेस और विमानन सुरक्षा और युद्धकालीन रक्षा क्षमताओं में सुधार के लिए वर्ष 2022 से 2026 तक ताइवान में 45 सुविधाओं के साथ रिमोट-नियंत्रित ड्रोन-विरोधी रक्षा प्रणाली तैयार करेगा। जानकारी के अनुसार ड्रोन रक्षा प्रणालियों को तैयार करने के लिए बिलियन 141 मिलियन अमेरिकी डॉलर आवंटित किया गया है। वर्ष 2023 में, एमएनडी ड्रोन रक्षा प्रणालियों के पांच सेट और 232 जैमर गन हासिल करेगा जिसमें बाहरी द्वीपों पर सैन्य सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

आज का इतिहास 31 अगस्त

1290 इंग्लैंड नरेश एडवर्ड प्रथम ने यहूदियों के निष्कासन का आदेश जारी किया.
1876 तुर्की के सुल्तान मुराद पंचम को हटा दिया गया.
1900 फ्रेडेरिक राबर्टस के नेतृत्व में ब्रिटिश फौजों ने जोहांसबर्ग पर कब्जा कर लिया.
1908 अमरीकी लेखक विलियम खरोया का जन्म.
1910 फारस अफगानिस्तान और तिब्बत के बारे में आस्ट्रिया रूस घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर हुए.
1922 चेक सर्व क्रोट गठबंधन पर हस्ताक्षर हुए.
1939 फ्रांस के प्रधानमंत्री डैलेडिपर और ब्रिटिश प्रधानमंत्री चैम्बरलेन की एडोल्फ हिटलर से बातचीत की कोशिश नाकाम हो गयी.
1942 जर्मन जनरल रोमेल ने द्वितीय विश्व युद्ध में उत्तर अफ्रीकी मोर्चे पर ब्रिटिश फौजों के खिलाफ जवाबी कार्यवाही शुरू की लेकिन असफल हो गया.
1957 मलाया स्वतंत्र हुआ.
1968 रोहिणी राकेट का प्रक्षेपण किया गया .
1980 पोलैंड के श्रमिक संगठनों को हड़ताल का अधिकार मिला.
1983 भारतीय उपग्रह इन्सेट 1 बी को अमरीकी अंतरिक्ष शटल चैलेंजर से कक्षा में स्थापित किया गया.
1984 वेंकटरामन भारत के आठवें उपराष्ट्रपति बने.
1995 पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की कार बम विस्फोट में हत्या.
2007 अमरीकी पत्रिका फोर्ब्स ने दुनिया की सर्वाधिक प्रभावशाली महिलाओं की सूची में सोनिया गांधी को छठे स्थान पर रखा।

टिकाऊ कोटिंग से होगा कोरोना वायरस समेत कई कीटाणुओं का सफाया

वाशिंगटन, (हि.स.)। कोरोना वायरस को जड़ से मिटाने की दिशा में वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण सफलता पाई है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसी टिकाऊ कोटिंग तैयार की है जिससे कोरोना वायरस, ई. कोली, एमआरएसए बैक्टीरिया समेत कई अन्य तरह के वायरस को मिनटों में समाप्त कर देती है। चाय के पौधे के तेल और दालचीनी के तेल से इस कोटिंग को तैयार किया गया है। इसे टिकाऊ बनाने के लिए वार्निश का प्रयोग किया गया है। इतना ही नहीं अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने इसे सुरक्षित बताया है। अमेरिका के मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार यह नई कोटिंग परीक्षण में कारगर साबित हो रही है। वैज्ञानिकों ने इसे की-बोर्ड, मोबाइल फोन स्क्रीन और चिकन काटने वाले बोर्ड की सतह पर लगाया है। उसके बाद कई महीने तक इन सतहों को रगड़-रगड़ कर साफ किया गया। इसके बाद पाया गया कि यह कोटिंग 99.9 प्रतिशत रोगाणुओं को समाप्त कर दिया है। मिशिगन विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अनीश टुटेजा कहते हैं कि एयरपोर्ट और अस्पतालों जैसे रोगाणुओं से भरे सार्वजनिक स्थानों के लिए यह कोटिंग बहुत ही महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। मैटर नामक पत्रिका में प्रकाशित शोध के सहायक लेखक टुटेजा कहते हैं कि कीटाणुनाशक के प्रयोग से रोगाणु तुरंत मर तो जाते हैं, लेकिन जल्द ही वे पनप जाते हैं, जिससे उस स्थान के संपर्क में आने वालों के संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं की टीम में एसोसिएट प्रोफेसर गीता मेहता और मैटेरियल साइंस एवं इंजीनियरिंग में पीएचडी के छात्र अभिषेक ध्यान व टेलर रेपेट्टो भी शामिल थे। टुटेजा ने कहा कि हमारे पास तांबा और जस्ता जैसी धातुओं पर आधारित दीर्घकालिक जीवाणुरोधी सतह होती है, लेकिन बैक्टीरिया को मारने में उन्हें घंटों लग जाते हैं। नई कोटिंग हर सतह पर काम करती है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से विश्व में फैल रही गंभीर बीमारियां : अध्ययन

लंदन (ईएमएस)। पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी के चलते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव इंसानों पर गंभीर बीमारी बनकर कहर बरपा रहे है। हर उम्र के लोग किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। सर्दी, जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इन बीमारियों की वजह से हर साल करोड़ों लोग जान गंवा रहे हैं। विश्व का कोई भी कोना हो, हर तरफ बीमारियों की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मेडिकल साइंस की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमारियों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों हो रहा है? एक ताजा अध्ययन में बीमारियां फैलने की सबसे बड़ी वजह का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। एक मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि बढ़ती बीमारियों की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन है। स्टडी में पता चला है कि दुनियाभर में इंसानों को प्रभावित करने वाली 375 संक्रामक बीमारियों में से 58 फीसदी डिजीज का प्रकोप क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़ गया है। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संबंधी खतरों को बढ़ा रहा है, जिसके कारण इंसान मौत के मुंह में जा रहे हैं। बैक्टीरिया और वायरस फैलने के लिए क्लाइमेट में बदलाव काफी हद तक जिम्मेदार हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में अगर क्लाइमेट चेंज को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए तो परिस्थितियां ज्यादा गंभीर हो सकती हैं।

नासा का मून रॉकेट का प्रक्षेपण स्थगित, रॉकेट में आई दरार और ईंधन हो रहा था रिसाव

फ्लोरिडा, (हि.स.)। नासा ने तकनीकी बाधाओं के चलते सोमवार को लॉन्च होने वाले मून रॉकेट का प्रक्षेपण को स्थगित कर दिया है। जानकारी के अनुसार रॉकेट में दरार आने और ईंधन में रिसाव के चलते नासा ने यह कदम उठाया है। नासा ने स्पेस लांच सिस्टम रॉकेट में करीब 10 लाख गैलन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन भरने की प्रक्रिया के दौरान रिसाव होने के बाद इसे ठीक करने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं होने पर इस प्रक्षेपण को आधिकारिक तौर पर रोक दिया। फ्लोरिडा केनेडी अंतरिक्ष केंद्र के पास आंधी-तूफान के कारण ईंधन भरने की प्रक्रिया एक घंटे देर से शुरू हुआ। रिसाव उसी जगह दिखाई दिया जहां पहले भी ड्रेस रिहर्सल के दौरान सीपेज दिखाई दिया था। नासा के अधिकारियों ने कहा कि बाद में एक महत्वपूर्ण हिस्से में दरार या कुछ अन्य खामी दिखाई दी। इंजीनियरों ने तकनीकी परेशानियों के बारे में जांच शुरू कर दी है। यह प्रक्षेपण 50 साल पहले अपोलो कार्यक्रम के समाप्त होने के बाद से पहली बार चंद्रमा की सतह पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारने के अमेरिका के प्रयास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। नासा के सहायक प्रक्षेपण निदेशक जेरेमी ग्रेबर ने कहा कि पहले रिसाव से शुरू हुई जद्दोजहद के बाद अब अंतरिक्ष एजेंसी को तय करना होगा कि सोमवार सुबह प्रक्षेपण करना है या नहीं। राकेट के चार मुख्य इंजनों में से एक को पूरी तरह से ठंडा न कर पाने के कारण भी नासा के सामने समस्या आई। नासा ने एक ट्वीट में कहा, "आर्टेमिस का प्रक्षेपण आज नहीं हो रहा है क्योंकि टीमें इंजन ब्लीड के साथ एक मुद्दे पर काम कर रही हैं। नासा ने कहा कि नासा एसएलएस राकेट की हाइड्रोजन टीम अर्टमीस लान्च डायरेक्टर के साथ योजनाओं पर चर्चा कर रही है।" नासा ने सोमवार को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से आर्टेमिस मिशन को लान्च करने की योजना बनाई थी, जो स्पेस लान्च सिस्टम (एसएलएस) राकेट और ओरियन कैप्सूल को चंद्रमा के चारों ओर एक महीने से अधिक की यात्रा पर भेज रहा था।

यूक्रेन के मायकोलीव इलाके में रुसी हमले के कारण धवस्त एक इमारत। (फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 5

दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स बने गौतम अडाणी

-137.4 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ पहुंचे इस मुकाम पर

नई दिल्ली, (हि.स.)। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स बन गए हैं। इसी के साथ अडाणी इस मुकाम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय एवं एशियाई व्यक्ति बन गए हैं। एलन मस्क 251 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में पहले नंबर पर और जेफ बेजोस 152.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर कायम हैं, जबकि अडाणी 137.4 अरब डॉलर नेटवर्थ के साथ तीसरे पायदान पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स की जारी ताजा रिपोर्ट के मुताबिक गौतम अडाणी की नेटवर्थ 1.12 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 137.4 अरब डॉलर पर पहुंच गई, जबकि फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट की नेटवर्थ 1.37 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 136 अरब डॉलर रह गई। अडाणी ने यह तगमा फ्रांस के दिग्गज कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट को पछाड़कर हासिल किया है। दरअसल इस साल अडाणी की नेटवर्थ में 60.9 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं, मुकेश अंबानी 91.9 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में 11वें स्थान पर हैं। उल्लेखनीय है कि 60 वर्षीय गौतम अडाणी इस साल फरवरी में मुकेश अंबानी को पछाड़कर एशिया के सबसे बड़े रईस बने थे। अप्रैल महीने में नेटवर्थ 100 अरब डॉलर को पार कर गई थी, जबकि पिछले महीने वह माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स को पछाड़कर दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंचे थे। भारत के मुकेश अंबानी एक बार दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंचे थे, लेकिन अडानी उनसे एक कदम आगे निकल गए हैं।

60 फीसदी तक महंगा हुआ स्विगी और जोमैटो जैसे ऐप से ऑनलाइन खाना मंगाना

नई दिल्ली। आज के दौर में हर चीज सिर्फ एक क्लिक पर मौजूद है। बहुत-सी ऐसी सेवाएं हैं जिनके लिए पहले हमें खुद चलकर बाजार तक जाना पड़ता था, वे अब हमें घर बैठे ही मिल जाती है। घर बैठे ऑनलाइन खाना मंगाने की सुविधा भी उन्हीं में से एक है। एक सर्वे में यह खुलासा हुआ है कि स्विगी और जोमैटो जैसे ऐप के जरिए ऑनलाइन खाना मंगवाना सीधे रेस्टोरेंट से खरीदने की तुलना में 10 से 60 फीसदी तक महंगा होता है। यह सर्वे एक अंतरराष्ट्रीय संस्था ने किया है। इसमें देश भर के 8 शहरों के 80 रेस्टोरेंट को शामिल किया गया है। जेफरीज का कहना है कि ज्यादातर रेस्टोरेंट में बैठकर खाने के रेट और ऑनलाइन में काफी अंतर पाया गया है। रेस्टोरेंट में बैठकर आप जो डिश 100 रुपए में खा सकते हैं, उसी के लिए ऑनलाइन ऐप पर आपको 110 रुपए से 160 रुपए तक खर्च करने पड़ सकते हैं। इससे आप समझ सकते हैं एक क्लिक पर खाने का ऑर्डर बुक करना आपकी जेब के लिए कितना महंगा पड़ता है। ऑनलाइन और ऑफलाइन खाने के ऑर्डर की कीमतों में इतना अंतर होने की तीन वजहें सामने आई हैं। इसमें रेस्टोरेंट द्वारा खाने की पैकिंग का शुल्क, एडवरटाइजिंग अथवा प्रचार और रेस्टोरेंट व पार्टनर ऐप का कमीशन शामिल है। कई रेस्टोरेंट पैकिंग शुल्क को भी बिल में अलग से जोड़ते हैं। यह शुल्क बिल का करीब 4 से 5 फीसदी तक होता है।

खाने के ऑनलाइन ऑर्डर के लिए ग्राहकों से जो अतिरिक्त राशि ली जाती है उसमें डिलीवरी चार्ज भी शामिल होता है। यह बिल की कुल राशि का करीब 13 फीसदी तक होता है। इसके अलावा डिलीवरी ऐप और रेस्टोरेंट का कमीशन भी पहले से तय होता है। कमीशन की राशि सभी ऐप में अलग-अलग होती है। आपको बता दें कि जेफरीज ने इस सर्वे के दौरान देश के अलग-अलग शहरों के रेस्टोरेंट से 120 रुपये से लेकर 2800 रुपये तक 240 ऑर्डर किए थे। इसमें 80 फीसदी रेस्टोरेंट में ऑनलाइन और ऑफलाइन कीमतों में बड़ा अंतर सामने आया। इस सर्वे में जेफरीज ने बताया कि बहुत से ऑनलाइन ऐप हैं जो छूट देते हैं। आमतौर पर इसमें 10 फीसदी तक छूट देखने को मिलती है। लेकिन इसकी ऑफलाइन से तुलना करें तो यह करीब 20 फीसदी महंगा होता है।

टाटा ग्रुप की टीटीएमएल के शेयर में लगा अपर सर्किट, 3 साल में दिया 4026 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज लिमिटेड (टीटीएमएल) के शेयर में आज यानी 30 अगस्त को तेजी देखने को मिली है। कंपनी का शेयर 20 फीसदी ऊपर चल रहा है। कंपनी का शेयर राकेट की तरह भाग रहा है। इस शेयर को खरीदने की निवेशकों में होड़ लगी हुई है। कंपनी का शेयर अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। 30 अगस्त यानी मंगलवार को यह करीब 20 फीसदी ऊपर चल रहा है। इसमें अपर सर्किट लगा हुआ है। 52 सप्ताह पहले ये अपने लो प्राइस पर था। जब यह शेयर इस साल 11 जनवरी को अपने उच्च लेवल पर था तो कई निवेशकों ने इसे बेचकर तगड़ा मुनाफा कमाया था। इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली थी और ये 33 रुपये तक के स्तर पर चला गया था। इस दौरान निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा था। पिछले एक साल की बात करें तो 30 अगस्त 2021 को इस शेयर का भाव 37.80 रुपए था। इसके बाद 11 जनवरी 2022 को ये शेयर अपने उच्चतम स्तर 290.15 पर पहुंचा था। यहां बिकवाली होने पर शेयर का भाव गिरता चला गया। अब दोबारा इसमें तेजी देखने को मिल रही है। निवेशक इसके शेयरों की खूब खरीदारी कर रहे हैं। टीटीएमएल पिछले 3 साल में इसने 4026 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर एक साल की बात करें तो इसका रिटर्न 481 फीसदी से घटकर 167 फीसदी पर आ गया है। लेकिन इसके बावजूद देखें तो कंपनी ने निवेशकों को अच्छा मुनाफा दिया है। टीटीएमएल में तीन साल पहले एक लाख रुपये निवेश करने वालों का करीब 39 लाख कर चुका है। पिछले 3 साल में इसने 3795 फीसदी रिटर्न दिया है। अगर एक साल की बात करें तो इसका रिटर्न 481 फीसदी से घटकर 188.69 फीसदी पर आ गया है।

500-525 मूल्यवर्ग में 5 सितंबर जारी होगा तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक का आईपीओ

मुंबई (ईएमएस)। निजी क्षेत्र के तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक का आईपीओ पांच सितंबर को खुलेगा और सात सितंबर को बंद हो जाएगा। बैंक ने अपने 832 करोड़ रुपए के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 500-525 रुपए शेयर मूल्य तय करने का निर्णय लिया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली दो सितंबर को खुलेगी। आईपीओ दस्तावेज के अनुसार निर्गम के तहत 1.58 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। तूतीकोरिन स्थित बैंक नए निर्गम से प्राप्त आय का उपयोग भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और अपने टियर-क पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करेगा। तमिलनाडु मर्केंटाइल बैंक, देश के सबसे पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक है। यह मुख्य रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई), कृषि एवं खुदरा ग्राहकों को बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं मुहैया कराता है। बैंक को आईपीओ के माध्यम से 831.6 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है। शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

स्वरोजगार में लगे लोगों के लिए खुशखबरी, मिलेगी पेंशन!

-नियमों में परिवर्तन की तैयारी में कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन

नई दिल्ली (ईएमएस)। कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन (ईपीएफओ) स्वरोजगार में लगे लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी ला रहा है। संगठन ईपीएफओ में बड़ा परिवर्तन करने जा रहा है। योजना में स्वरोजगार में लगे लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी रिटायरमेंट स्कीम्स में शामिल होने के लिए सैलरी और कर्मचारियों की संख्या की सीमा हटाने का प्रस्ताव दिया है। इससे फॉर्मल सेक्टर के सभी कर्मचारी और स्वरोजगार में लगे लोग रिटायरमेंट पेंशन स्कीम्स के दायरे में आ सकते हैं। ईपीएफओ अभी स्टेकहोल्डर्स के साथ इस मुद्दे पर चर्चा कर रहा है। साथ ही उसने इस बारे में राज्यों से भी संपर्क साधा है। फिलहाल, इसके लिए अधिकतम पेंशन योग्य सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह तक सीमित है। मतलब आपकी सैलरी चाहे कुछ भी हो, लेकिन पेंशन की गणना सिर्फ 15,000 रुपये पर ही होती है। साथ ही वही कंपनियां इसमें शामिल हो सकती हैं जिनके कर्मचारियों की संख्या 20 या उससे अधिक है। ईपीएफ स्कीम के 5.5 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर हैं। 15,000 रुपये सैलरी और 20 कर्मचारियों की लिमिट के प्रावधान को खत्म करने के लिए इंप्लॉइज प्रोविडेंट फंड एंड मिसलेनियस प्रॉविजन एक्ट, 1952 में बदलाव करना होगा। इस बदलाव के बाद स्वरोजगार वाले भी ईपीएफओ स्कीम से जुड़ सकेंगे। इस बदलाव के बाद अपने काम में लगे लोग भी ईपीएफओ से जुड़ सकेंगे। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि फॉर्मल सेक्टर से सभी कर्मचारियों और स्वरोजगार में लगे लोगों को इस स्कीम में जोड़ने के लिए कानून में बदलाव करना होगा। इनमें कर्मचारियों की संख्या और सैलरी की सीमा हटाना शामिल है। इससे फॉर्मल सेक्टर के सारे कर्मचारी इसमें शामिल हो सकते हैं, फिर चाहे उनकी सैलरी और कंपनी में कर्मचारियों की संख्या जो भी हो। अभी ईपीएफ के लिए अधिकतम पेंशन योग्य सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह तक सीमित है। मतलब आपकी सैलरी चाहे कुछ भी हो, लेकिन पेंशन की गणना सिर्फ 15,000 रुपये पर ही होती है। ईपीएफओ अपने मेंबर को प्रॉविडेंट फंड, पेंशन और इंश्योरेंस की सुविधा देता है। ये सुविधाएं ईपीएफ, इम्पलॉयी पेंशन स्कीम और इम्पलॉयी डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस स्कीम (ईडीएलआईएस) के जरिए दी जाती है। सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़ने से ईपीएफओ का कॉर्पस भी बढ़ेगा। अभी यह 12 लाख करोड़ रुपये का है। अभी ईपीएफओ अपनी इंक्रीमेंटल इनकम का 15 फीसदी ईटीएफ में निवेश करता है। इसे बढ़ाकर 25 फीसदी तक ले जाने की योजना है।

एससीआई की बिक्री के लिए जनवरी-मार्च तिमाही में वित्तीय बोलियां आमंत्रित करने की योजना

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार जनवरी-मार्च तिमाही में शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के निजीकरण के लिए वित्तीय बोलियां आमंत्रित कर सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि शिपिंग कॉरपोरेशन की गैर-प्रमुख संपत्तियों और भूमि को अलग करने का काम अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया करीब तीन महीने में पूरी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इसके बाद वित्तीय बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि संभावित निवेशकों से वित्तीय बोलियां जनवरी-मार्च तिमाही में आमंत्रित किए जाने की उम्मीद है। रणनीतिक बिक्री प्रक्रिया के तहत सरकार शिपिंग हाउस और प्रशिक्षण संस्थान सहित एससीआई की कुछ गैर-प्रमुख संपत्तियों को अलग कर रही है। एससीआई के निदेशक मंडल ने कंपनी की गैर-प्रमुख संपत्तियों को अलग करने की योजना को पिछले साल अगस्त में मंजूरी दी थी। उसके बाद नवंबर 2021 में एससीआईएलएएल का गठन किया गया था। निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने दिसंबर 2020 में कंपनी में सरकार की समूची 63.75 प्रतिशत हिस्सेदारी बिक्री के लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। हिस्सेदारी बिक्री के साथ ही कंपनी का प्रबंधन भी स्थानांतरित किया जाना है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर, 2020 में शिपिंग कॉरपोरेशन के रणनीतिक विनिवेश को सैद्धान्तिक मंजूरी दी थी। सरकार ने 2022-23 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विनिवेश से 65,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है।

कार मार्केट में बड़ा धमाका करने वाली है टाटा मोटर्स

- नए अवतार में आ रही टाटा की ये है 3 एसयूवी

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्वदेशी ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी अपकमिंग एसयूवी का एक टीजर वीडियो जारी किया है और इस टीजर में 4 एसयूवी नजर आती हैं। यह स्वदेशी कंपनी इस साल फेस्टिवल सीजन में कार मार्केट में बड़ा धमाका करने वाली है। खबरों की मानें तो टाटा नेक्सॉन के साथ ही टाटा हैरियर और टाटा सफारी नए अंदाज में कंपनी बाजार में उतार सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 2022 टाटा नेक्सान के साथ ही न्यू हेरियर और न्यू सफारी अपने लग्जरी अवतार में लॉन्च की जा सकती हैं और अगले कुछ ही हफ्तों में इनकी सेल भी शुरू हो जाएगी। एसयूवी सेगमेंट में कॉम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सॉन बेस्ट सेलिंग है और इस कार की शुरूआती कीमत 7.60 लाख रुपये से चालू है और 13.95 लाख रुपये तक जाती है। वहीं, टाटा हैरियर मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में काफी पॉपुलर है और इसकी कीमत 14.70 लाख रुपये से लेकर 21.90 लाख रुपये तक है। टाटा की 7 सीटर एसयूवी टाटा सफारी की कीमत 15.35 लाख रुपये से शुरू होकर 23.56 लाख रुपये तक जाती है। ध्यान दें कि ये सभी एक्स शोरूम प्राइस हैं। टाटा नेक्सॉन लग्जरी एडिशन में कुछ कॉस्मेटिक बदलावों के साथ ही कई खास फीचर्स देखने को मिल सकते हैं और उसी तरह हैरियर और सफारी के लग्जरी एडिशन में भी कई बदलाव देखने को मिलते हैं।

हुंडई और महिंद्रा से 2 बड़ी एसयूवी बाजार में उतारने तैयार

-हुंडई वेन्यू एन लाइन के लिए बुकिंग 21हजार की राशि में

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की 2 बड़ी कार निमार्ता कंपनियां अगले दो हफ्तों में हुंडई और महिंद्रा से 2 बड़ी एसयूवी बाजार में उतारने वाली हैं.हुं डई वेन्यू एन लाइन के लिए आधिकारिक बुकिंग 21,000 रुपये की शुरूआती राशि से शुरू हो गई है। एसयूवी का स्पोर्टी संस्करण 6 सितंबर 2022 को बाजार में लॉन्च होगा।वेन्यू एन लाइन को डार्क क्रोम ग्रिल, ग्रिल पर लाल हाइलाइट, बंपर, फेंडर, साइड सिल और रूफ रेल सहित नियमित मॉडल पर कुछ कॉस्मेटिक एन्हांसमेंट प्राप्त होते हैं।, साइड फेंडर और टेलगेट पर एन लाइन मॉनीकर, एन ब्रांडिंग और रेड ब्रेक कैलीपर के साथ आर16 डायमंड कट एलॉय। मानक मॉडल के विपरीत, स्पोर्टियर वेन्यू एन लाइन में लाल हाइलाइट्स के साथ ऑल-ब्लैक इंटीरियर है। ऑटोमेकर का कहना है कि महिंद्रा एक्सयूवी400 में उच्च-ऊर्जा-घने एनएमसी सेल होंगे जो टाटा नेक्सान ईवी के बेलनाकार एलएफपी सेल से बेहतर होंगे। बैटरी, जो एलजी केम से प्राप्त की जाएगी, अधिक शक्ति और लंबी दूरी प्रदान करेगी। इलेक्ट्रिक एसयूवी से एक बार चार्ज करने पर 400 किमी से अधिक की रेंज देने की उम्मीद है। महिंद्रा एंड महिंद्रा 8 सितंबर 2022 को एक्सयूवी400 इलेक्ट्रिक एसयूवी की कीमतों की घोषणा करेगी। मॉडल एक्सयूवी300 का इलेक्ट्रिक पुनरावृत्ति है, इसकी लंबाई लगभग 4.2 मीटर है।

दैनिक पंचांग

31 अगस्त 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	कन्या में
मंगल	वृष में
बुध	कन्या में
गुरु	मीन में
शुक्र	कर्क में
शनि	मकर में
राहु	मेष में
केतु	तुला में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
कन्या	06.58 बजे से
तुला	09.09 बजे से
वृश्चिक	11.23 ब.से
धनु	13.39 बजे से
मकर	15.44 बजे से
कुंभ	17.31 बजे से
मीन	19.04 बजे से
मेष	20.34 बजे से
वृष	22.14 बजे से
मिथुन	00.12 बजे से
कर्क	02.26 बजे से
सिंह	04.42 बजे से

बुधवार 2022 वर्ष का 243 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 15.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 00.12 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुक्ल (शुक्र) 22.47 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 15.23 बजे तदनन्तर बव 03.09 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 03.7 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1871357
जूलियन दिन 2459822.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1444
महीना सफर **तारीख** 03
विशेष वरद चतुर्थी, गणेशोत्सव।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मारुति और महिंद्रा लॉन्च करेंगे 5 डोर एसयूवी

-2023 में जिम्नी और थार के बड़े 5-डोर संस्करण लॉन्च करने की घोषणा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मारुति और महिंद्रा दोनों वाहन कंपनियों ने 2023 में जिम्नी और थार के बड़े 5-डोर संस्करण लॉन्च करने की घोषणा की है। महिंद्रा ने भारतीय सड़कों पर नई 5-डोर थार की टेस्टिंग पहले ही शुरू कर दी है। दूसरी ओर, सुजुकी जिम्नी के लॉन्ग-व्हीलबेस 5-डोर वर्जन की यूरोप में टेस्टिंग कर रही है। 5-डोर जिम्नी के इस साल के अंत से पहले ग्लोबल डेब्यू की खबर है, जबकि ऑटो एक्सपो 2023 में भारत की शुरूआत की उम्मीद है। 5-डोर महिंद्रा थार भी जनवरी में 2023 ऑटो एक्सपो में डेब्यू कर सकती है।नया 5-डोर मॉडल 2-डोर मॉडल की तुलना में लंबे व्हीलबेस के साथ आएगा। जिससे केबिन के अंदर अधिक स्पेस मिल सकेगा।पांच दरवाजों वाला मॉडल मेटल हार्ड टॉप के साथ आने की भी संभावना है.ब्राजीलियाई मीडिया रिपोर्ट का दावा है कि नए 5-डोर मॉडल को सुजुकी जिम्नी लांग कहा जाएगा। यह सिएरा पर आधारित होगी और इसमें 300 मिमी लंबा व्हीलबेस होगा और लंबाई 300 मिमी बढ़ाई जाएगी।लीक हुई जानकारी के मुताबिक, नई 5-डोर जिम्नी लॉन्ग की लंबाई 3,850एमएम, चौड़ाई 1,645एमएम और ऊंचाई 1,730एमएम होगी। इसका व्हीलबेस 2,550एमएम, जबकि ग्राउंड क्लियरेंस 210एमएम होगा। कथित तौर पर एसयूवी का वजन 1,190 किलोग्राम है, जो 3-डोर सिएरा से 100 किलोग्राम अधिक है।नई सुजुकी जिम्नी एलडब्ल्यूबी (लॉन्ग व्हील बेस) को आराम दिया जाएगा और यह नए डिजाइन तत्वों के साथ आएगी। ब्रांड की नई डिजाइन लैंग्वेज में कार के फ्रंट में बदलाव किया जाएगा। लंबे व्हीलबेस की बदौलत, बूट स्पेस मौजूदा 85-लीटर से काफी बढ़ने की उम्मीद है। यह ब्रेजा के 1.5एल के15सी पेट्रोल इंजन के माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के साथ पावर्ड होने की संभावना है। ट्रांसमिशन ऑप्शन में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक शामिल होने की संभावना है। बता दें कि महिंद्रा ने 2020 में नई पीढ़ी की महिंद्रा थार लाइफस्टाइल एसयूवी लॉन्च की थी। एसयूवी को खरीदारों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। वर्तमान में इस कार के लिए12 महीने से ज्यादा का वेटिंग पीरियड है। एमएसआईएल ने 2020 ऑटो एक्सपो में 3-डोर जिम्मी को शोकेस किया था। हालांकि, इसे हमारे बाजार में लॉन्च नहीं किया गया है।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2079, शाके 1944, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि, चौथ, बुधवासरे, चित्रा नक्षत्रें, शुक्ल येगे, विवकरणे, कन्या की चंद्रमा, भद्रा दो. 1/45 श्री गणेश जयंती व्रत, विनायकी चौथ व्रत, दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल..... .

आज जन्म लिया बालक जिद्दी-हठी, सैनिक, सिपाही, सेना नायक, दस्ता नायक, कमाण्डर, बिग्रेडियर, मेजर तथा सेनापति होगा, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, उत्तम प्रकृति का सैनिक तथा धर्मगुरु व प्रबल ज्ञानी होगा।

मेष :- किसी के द्वारा धोखा देने से मनोवृत्ति खिन्न रहेगी, धन का व्यय तथा परिश्रम विफल होगा।

वृष :- समय अनुकूल नहीं है, लेन-देन के मामले विफल रहेंगे, व्यर्थ विवाद से बचें।

मिथुन :- व्यर्थ समय नष्ट होगा, यात्रा प्रसंग में थकावट व बेचैनी बनी रहेगी, समय समस्या का ध्यान रखें।

कर्क :- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने में ही कुछ सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह :- परिश्रम से कार्यपूर्ण होंगे, तर्क-वितर्क से विजय प्राप्त हो, सफलता मिले, धन का लाभ होगा।

कन्या :- व्यवसायिक अनुकूलता से असंतोष किन्तु कार्य-व्यवस्था अनुकूल बनी रहेगी।

तुला :- किसी तनावपूर्ण वातावरण से बचिये, कुछ उदविघ्नता से परेशानी बने, मित्रों से लाभ होगा।

वृश्चिक :- परिश्रम से कार्य में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, कार्य विफलत्व की चिन्ता बनेगी।

धनु :- स्त्री वर्ग से उल्लास, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा रुके कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

मकर :- स्वभाव में क्लेश व अशांति, व्यर्थ विभ्रम, भय तथा उद्विघ्नता अवश्य बनेगी।

कुम्भ :- कार्यगति अनुकूल रहेगी, चिन्ताएह कम होंगी तथा विलासिता के साधन जुटायेंगे।

मीन :- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा तथा इष्ट मित्रों का समर्थन फलप्रद होगा।

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 6

एक बहुत अच्छे क्रिकेटर के रूप में विकसित हो रहे हैं हार्दिक पांड्या : मिकी आर्थर

नई दिल्ली, (हि.स.)। हार्दिक पांड्या के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को खिलाफ एशिया कप के अपने शुरूआती मैच में पांच विकेट से शिकस्त दी। तीन विकेट लेने से लेकर 17 गेंदों पर 33 रन बनाने तक, हार्दिक बेहतरीन रहे और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। हार्दिक को अपने धमाकेदार प्रदर्शन के लिए दुनिया भर से प्रशंसा मिल रही है और अब पाकिस्तान के पूर्व कोच मिकी आर्थर भी हार्दिक की तारीफ करने के लिए आगे आए और कहा कि वह एक बहुत अच्छे क्रिकेटर के रूप में विकसित हो रहे हैं।" मिकी आर्थर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के टी-20 टाइमआउट कार्यक्रम में कहा, "वह एक अद्भुत खिलाड़ी है। यह लगभग 12 खिलाड़ियों के साथ भारत के खेलने जैसा है। यह मुझे तब की याद दिलाता है,जब मैं दक्षिण अफ्रीका के साथ था और हमारे पास जैक्स कैलिस थे। आपके पास एक ऐसा खिलाड़ी जो वास्तव में आपके चार तेज गेंदबाजों में से एक हो सकता है और शीर्ष 5 में बल्लेबाजी कर

सकता है। यह लगभग एक अतिरिक्त खिलाड़ी के साथ खेलने जैसा है।

मैं हार्दिक को परिपक्व खिलाड़ी के रूप में देख रहा हूं।" उन्होंने कहा, "आईपीएल में उनका नेतृत्व उत्कृष्ट था, उन्होंने अपनी टीम को वास्तव में अच्छी तरह से प्रबंधित किया। उन्होंने अपनी टीम के लिए दबाव की स्थिति को वास्तव में अच्छी तरह से खेला। मुझे लगता है कि वह एक बहुत अच्छे क्रिकेटर के रूप में विकसित हो रहे हैं।" मैच के बारे में बात करें, तो इस मैच में भारत ने हार्दिक (4 ओवर, 25 रन 3 विकेट) और भुवनेश्वर कुमार 4 ओवर, 26 रन, 4 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान को 147 रनों पर समेट दिया। इसके बाद हार्दिक ने 17 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाकर भारत को जीत दिलाई।

नी खिलाड़ी का खुलासा, मैच फिक्स करते हैं कोच और अधिकारी

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की एक महिला बैडमिंटन खिलाड़ी ये झाओयिंग ने कोच ओर अधिकारियों पर मैच फिक्स करने के आरोप लगाते हुए कहा है कि साल 2000 में सिडनी ओलंपिक के दौरान उसे चीनी खेल अधिकारियों ने जानबूझकर मैच हारने के आदेश दिये थे। इसके लिए उसे बोनस भी दिया गया था। झाओयिंग के अनुसार कोच के इस आदेश के बाद उसे बेहद निराश हुई थी पर उसके सामने कोई रास्ता नहीं था। झाओयिंग के अनुसार चीनी अधिकारियों का मानना था कि उसके फाइनल में जीतने की अधिक संभावनाएं नहीं हैं, इसलिए उसे अपने ही देश की गोंग झीचाओ के खिलाफ महिला एकल सेमीफाइनल को हारना होगा। झाओयिंग के अनुसार मुख्य कोच ली योंगबो और महिला एकल के मुख्य कोच तांग जुए-हुआ ने मैच से एक रात पहले

उससे कहा कि उन्हें जानबूझकर हारना है।

झाओयिंग ने कहा कि ऐसे फरमान पर आप बहुत बेबस महसूस करते हैं क्योंकि आप पूरे सिस्टम के खिलाफ अकेले हैं। ओलंपिक एक एथलीट के रूप में जीवन में लगभग एक बार मिलने वाला अवसर है, इसलिए जब आपको खुद को हारने देना होता है तो यह वास्तव में दुखद होता है। कोच ने यह भी कहा था कि उसे हार में बहुत स्पष्ट नहीं होना है और उसे मैच को तीसरे राऊंड तक नहीं ले जाना है और गोंग को थकने नहीं देना है। इसके लिए उनको 16,300) का बोनस ऑफर दिया गया, जो एक ओलंपिक चैंपियन को भी दिया गया था। झाओयिंग सेमीफाइनल में गोंग से 11-8, 11-8 से हार गई। इसके बाद गोंग ने खिताबी मुकाबला जीता था। झाओयिंग के अनुसार कोच ओर खेल प्रबंधन का लक्ष्य किसी प्रकार मैच फिक्स कर जीत दर्ज करना रहता है।

वर्ष 2022 महिला क्रिकेट टीम के लिए अच्छा रहा है : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस लय को आगे बढ़ाने और अच्छे परिणाम देने के लिए तैयार है। भारतीय टीम का अगला मुकाबला अब इंग्लैंड से होगा। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच पहला टी-20 10 सितंबर को रिवरसाइड ग्राउंड में खेला जाएगा। मंधाना ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा, वर्ष 2022 महिला क्रिकेट टीम के लिए अच्छा रहा है, और हम इंग्लैंड के आगामी भारत दौरे के साथ इस गति को जारी रखने की उम्मीद कर रहे हैं। हम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के बाद उत्साहित हैं, हम आगामी श्रृंखला में भी अपनी सफलता को दोहराने की कोशिश करेंगे। बहुप्रतीक्षित सीरीज में एक बार फिर भारतीय महिला टीम की परीक्षा होगी जो इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर हराने की कोशिश

करेगी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है-

भारत की टी-20 टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, राधा यादव, सबिनेनी मेघना, तानिया सपना भाटिया (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, दयालन हेमलता, सिमरन दिल बहादुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर) के.पी. नवगिरे।

भारत की वनडे टीम: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, सबिनेनी मेघना, दीप्ति शर्मा, तानिया सपना भाटिया (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, रेणुका ठाकुर, मेघना सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, दयालन हेमलता, सिमरन दिल बहादुर, झूलन गोस्वामी, जेमिमा रोड्रिग्स।

एसी गोवा ने मोरक्को के सदओई को शामिल किया

पणजी (ईएमएस)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम एसी गोवा ने मोरक्को के फुटबॉलर नूह सदओई को अपने साथ जोड़ा है। इसके लिए एसी गोवा ने सदओई के साथ दो साल का अनुबंध किया है। इस अनुबंध के तहत नूह साल 2024 सत्र तक गोवा टीम के साथ बने रहेंगे। क्लब के अनुसार इस खिलाड़ी के आने से टीम बेहतर होगी। साथ ही खिलाड़ियों को नूह के अनुभवों से लाभ मिलेगा। वहीं क्लब में शामिल

किये जाने से उत्साहित नूह ने कहा कि यह क्लब मेरे लिए नया नहीं है। हम पिछले दो साल से संपर्क में थे। इस दौरान मुझे टीम के प्रदर्शन को देखने का अवसर मिला था। टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है।

रसेल ने टी20 विश्व कप खेलने रखी शर्त

ब्रिजटाउन (ईएमएस)। वेस्ट इंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में खेलने के लिए तैयार हैं पर रसेल का कहना है कि क्रिकेट वेस्टइंडीज को उनकी बातें माननी होंगी। रसेल ने अपने पूर्व टीम साथी डैरेन सैमी के साथ बातचीत के दौरान कहा, "मैं हमेशा ही अपने देश की ओर से खेलना चाहता हूँ और देश को वापस कुछ देना चाहता हूँ पर क्रिकेट वेस्ट इंडीज मेरी बातें मानने को तैयार नहीं होता है तो इसका लाभ नहीं होगा।" रसेल ने कहा, हमारा परिवार वेस्टइंडीज टीम है और हमें यह तय करना होगा कि

हम उन्हें सर्वश्रेष्ठ अवसर दे सकें। मेरे पास एक ही करियर है। ऐसा नहीं है कि मैं फिर से कुछ काम शुरू कर सकूं। देश के लिए एक और विश्व कप या दो और जीतना चाहता हूँ।" रसेल ने 67 टी20 मैच खेले हैं और वह साल 2012 तथा 2016 में दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम में शामिल रहे थे।

12 से 18 सितंबर तक खेला जाएगा चेन्नई ओपन

चेन्नई (ईएमएस)। अमेरिका की एलिसन रिस्के 12 से 18 सितंबर तक यहां होने वाले चेन्नई ओपन डब्ल्यूटीए 250 टेनिस टूर्नामेंट में खेलेंगी। रिस्के के अलावा बेल्जियम की एलिस मर्टेंस, फ्रांस की कैरोलिन गार्सिया और जर्मनी की तातजाना मारिया भी यहां खेलती नजर आयेंगी। मारिया दो बच्चों की मां है और इसके बाद भी इस खिलाड़ी ने पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में जगह बनाकर सभी को हैरान कर दिया था। वह किसी ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता में 47 प्रयासों के बाद पहली बार अंतिम चार में पहुंची थीं। डब्ल्यूटीए ने 21 खिलाड़ियों

को इस टूर्नामेंट के लिए सीधा प्रवेश दिया है। एकल ड्रॉ में इन खिलाड़ियों के अलावा एक विशेष राहत प्राप्त खिलाड़ी, वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली चार खिलाड़ी और छह क्वालीफायर शामिल हैं। इस टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग ड्रॉ में 24 खिलाड़ी शामिल हैं जिनमें से 20 को सीधा प्रवेश दिया गया है जबकि चार को वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। वहीं युगल में कुल 16 जोड़ियां भाग लेंगी।

यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंची सेरेना विलियम्स

न्यूयॉर्क, (हि.स.)। सेरेना विलियम्स ने यूएस ओपन में अपने पहले दौर का मैच जीत लिया है, जो संभवतः रिटायर होने से पहले उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है। विलियम्स ने मोंटेनेग्रो की डंका कोविनिक के खिलाफ 6-3, 6-3 से जीत दर्ज की। दर्शकों से खचाखच भरा हुआ आर्थर ऐश स्टेडियम 23 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन के समर्थन में "वी लव सेरेना" के नारों से गूंज रहा था। स्टेडियम में उपस्थित नामी लोगों में माइक टायसन, ग्लेडिस नाइट और पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन शामिल थे। सेरेना की 4 साल की बेटी भी गेस्ट बॉक्स में थी। विलियम्स बुधवार को दूसरे दौर में एस्टोनियाई खिलाड़ी एनेट कोंटेविट से भिड़ेंगी। इस जीत के साथ,

विलियम्स ओपन एरा में किशोरावस्था, 20, 30 और 40 की उम्र में मैच जीतने वाली चौथी महिला बन गईं। इसी के साथ सेरेना, वीनस विलियम्स, हॉल ऑफ फेमर मार्टिना नवरातिलोवा और जापान की किमिको डेट जैसे दिग्गजों की सूची में शामिल हो गईं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की है। विलियम्स ने टीवी पर्सनैलिटी गेल किंग के साथ कोर्ट पर अपने इंटरव्यू के दौरान दर्शकों से कहा, "मुझे हमेशा सबसे अच्छा करना होता है जो मैं कर सकती हूं। मैं इस कोर्ट पर और यहां सबके सामने बहुत सहज महसूस करती हूं। जब मैं कोर्ट पर जाती हूं तो बस वह सर्वश्रेष्ठ करना चाहती हूं जो मैं उस खास दिन कर सकती हूं।"

एशिया कप 2022: भारत-पाकिस्तान मैच का वो आखिरी छक्का, जिस पर उछल पड़ा पूरा भारत

नई दिल्ली, (हि.स.)। एशिया कप 2022 के दूसरे दिन हुए भारत-पाकिस्तान के बीच हुए रोमांचक मैच में खेल के अंतिम ओवर में 6 गेंदों पर 7 रन की जरूरत थी। लोग देखते ही देखते हाथ जोड़कर भगवान से भारत की जीत की प्रार्थना करने लगे। फिर कुछ सेकेंडों के लिए सन्नाटा छा गया और देखते ही देखते मैच देख रहा हर एक इंसान खुशी से उछल पड़ा। यह खुशी भारत को उपहार में दी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने, जिनके बल्ले ने चौथी गेंद में ऐसा जादू चलाया कि प्रतिद्वंदी टीम के छक्के छूट गए। भारत के मैच जीतने के बाद आलम यह था कि भारत के झंडे हाथों में लिए लोग गली-मोहल्लों में रैली लेकर बड़ी तादाद में निकलते दिखे। देश में इस जीत के बाद दिवाली की तरह माहौल था और जमकर आतिशबाजी की गई। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में यह 15वीं भिड़ंत थी। भारतीय टीम इस मैच को मिलाकर 9 और पाकिस्तान 5 मैच जीती है। एक मैच बेनतीजा रहा है। स्वदेशी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म, कू ऐप पर इस ऐतिहासिक जीत का वीडियो बड़ी ही तेजी से वायरल हो रहा है, जो स्टार स्पोर्ट्स इंडिया ने अपने हैंडल के माध्यम से पोस्ट किया है। स्टार स्पोर्ट्स इंडिया ने कू एप पर लिखा, वह पल, जब टीम इंडिया के सभी फैंस खुशी से झूम उठे! वहीं, आकाश चोपड़ा और पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कू एप पर अपने-अपने यूट्यूब वीडियो का लिंक पोस्ट किया, जिसमें वह भारत और पाकिस्तान के मैच से जुड़ी कुछ खास और बड़ी बातें दर्शकों से शेयर कर रहे हैं। एशिया कप 2022 के महामुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर बड़ी जीत हासिल की है।

गुजरात में पहली बार होंगे राष्ट्रीय खेल

अहमदाबाद (ईएमएस)। 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच राज्य में होंगे। गुजरात में पहली बार इन खेलों का आयोजन हो रहा है। गुजरात में 36वें राष्ट्रीय खेल 27 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। राज्य के पास इन खेलों की मेजबानी के लिये एक विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा उपलब्ध है और प्रदेश प्रशासन इन्हें सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय खेल बनाने के प्रयास में लगा है। गुजरात के छह शहरों अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, वडोदरा, राजकोट और भावनगर

मे इन खेलों का आयोजन होगा। इन खेलों में देश के 7000 से अधिक शीर्ष खिलाड़ी 34 इंडोर और आउटडोर खेलों में पदक के लिये उतरेंगे। पिछले दो साल से कोरोना संक्रमण के कारण इन खेलों का आयोजन नहीं किया गया था।

टी-20 विश्व कप में अधिक स्वतंत्रता के साथ खेलना चाहता हूं : स्टीव स्मिथ

कैनबरा, (हि.स.)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि वह टी-20 विश्व कप में अधिक स्वतंत्रता के साथ खेलना चाहते हैं। पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी 20 विश्व कप में अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ का स्ट्राइक रेट 97.18 का था, जो कि इस प्रारूप के हिसाब से खराब ही कहा जाएगा। हालांकि, उन्होंने इस साल पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी 20 मैच के दौरान नाबाद 37 रन बनाए। संयोग से, उनका करियर स्ट्राइक रेट 125.78 का है। सबसे छोटे प्रारूप में टीम में स्मिथ का स्थान बना पाना मुश्किल दिख रहा है, क्यों मिशेल मार्श अब नंबर तीन पर नियमित हो गए हैं और नंबर चार के लिए टिम डेविड रेस में सबसे आगे हैं। स्मिथ ने टाउन्सविले के रिवरवे स्टेडियम में संवाददाताओं से कहा, "मुझे ऐसा लगता है कि जब मैं अच्छा टी20 क्रिकेट खेल रहा होता हूं, तो मैं निश्चित रूप से टीम में होता हूं। पिछले कुछ वर्षों में मुझे जो भूमिका दी गई थी, वह 'मिस्टर फिक्स इट' भूमिका है और वह टैग अब मुझसे छीन लिया गया है।" उन्होंने आगे कहा, "श्रीलंका के खिलाफ मुझे लगा कि मैं बाहर जा सकता हूं और बस बहुत अधिक स्वतंत्रता

और स्वाभाविक रूप से खेल सकता हूं। मेरे दिमाग में किसी तरह की झिझक नहीं है। मैं बस खेल को आगे बढ़ा रहा हूं। अगर मैं चाहता हूं पहली गेंद पर छक्का लगाऊं तो वह अब खुलकर कर पा रहा हूं।" इस बीच, स्मिथ ने बीबीएल में खेलने वाले स्थानीय ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का भी समर्थन किया और कहा कि लीग की प्राथमिकता घरेलू क्रिकेटरों के हितों की देखभाल होनी चाहिए। बीबीएल ड्राफ्ट प्रक्रिया शुरू होने से पहले, शीर्ष ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेटरों और विदेशी क्रिकेटरों की कमाई के बीच अंतर को लेकर स्थानीय खिलाड़ियों में काफी असंतोष था।जब नया समझौता ज्ञापन तैयार किया जाएगा तो इसमें बदलाव होने की संभावना है, लेकिन स्मिथ ने कहा कुछ खिलाड़ी इस सीजन में मिलने वाले पारिश्रमिक के संबंध में 'थोड़ा निराश' हैं। "मुझे लगता है ड्राफ्ट दिलचस्प है, मुझे नहीं पता कि आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। दुनिया भर के टूर्नामेंटों के संदर्भ में, आपको सबसे महत्वपूर्ण रूप से अपने स्थानीय खिलाड़ियों की देखभाल करनी होगी। और आने वाले कुछ खिलाड़ियों को देखकर मुझे पता है कि कुछ स्थानीय खिलाड़ी, जो बड़े खिलाड़ी हैं, टूर्नामेंट के लिए पारिश्रमिक के मामले में थोड़े निराश हैं। आपके स्थानीय खिलाड़ियों को खुश रखने के लिए एक रास्ता निकालना होगा।" स्मिथ को खुद सिडनी सिक्सर्स के साथ अनुबंध की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने अब तक इस सौदे को स्वीकार नहीं किया है। स्मिथ ने कहा, "मैं इस समय अपने विकल्प खुले रख रहा हूं, कुछ चीजें हैं जो मैं संभवतः कर सकता हूं। मैं देखूंगा कि क्या होता है।"

एशियाई पुरुष अंडर-20 वॉलीबॉल चैम्पियनशिप : भारत ने जीता रजत पदक

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय पुरुष अंडर-20 टीम ने बहरीन के रिफा में आयोजित 21वीं एशियाई वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल किया। भारतीय टीम स्वर्ण पदक मुकाबले में ईरान से 3-1 से (12-25, 19-25, 25-22, 15-25) हार गई। भारत ने 20 साल के अंतराल के बाद 17 एशियाई देशों के बीच चैंपियनशिप में रजत पदक हासिल किया। भारतीय टीम के कप्तान दुष्यंत सिंह जाखड़ को 'बेस्ट ब्लॉकर ऑफ एशिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जबकि कार्तिकेयन को एशियाई वॉलीबॉल परिसंघ द्वारा 'बेस्ट लिबरो ऑफ एशिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही भारतीय अंडर -20 वॉलीबॉल टीम ने "एफआईवीबी वॉलीबॉल मेन्स यू 21 वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023" के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए वेलेंशिया के माउसटर डियोकेबी।

(फोटो-ईएमएस)

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 7

कांग्रेस ने की सभी भर्ती घोटालों की हो सीबीआई जांच की मांग

-प्रदर्शन कर फूंका सरकार का पुतला
-पूर्व विधायक कुंवर सिंह नेगी ने कांग्रेस कार्यकाल ने विधान सभा अध्यक्ष कुंजवाल पर भी उठाये सवाल

गोपेश्वर, (हि.स.)। अब तक के भाजपा शासन काल में जितनी भी प्रकार की भर्ती हुई है, उन सभी भर्तियों में हुए घोटालों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर मंगलवार को कांग्रेस पार्टी चमोली की ओर से चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर में प्रदर्शन कर तिराहे पर प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया गया। प्रदर्शन और पुतला दहन के बाद पत्रकारों के बातचीत करते हुए कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड की डबल इंजन की सरकार, भय और भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का दावा करने वाली पार्टी विद डिफरेंट के शासन काल में वर्तमान समय तक जितनी भी भर्तियां हुई है सभी संदेह के घेरे में आ गई हैं। इनमें से कई भर्तियों में जांच भी चल रही है और कई लोगों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। इससे जाहिर है कि सरकार जो भ्रष्टाचार मुक्त होने का दावा कर रही थी, उसी के शासन काल में सबसे ज्यादा भर्तियों में घोटाले सामने आये हैं। उन्होंने कहा कि यहां तक की सरकार के कतिपय मंत्रियों से लेकर अधिकारी और स्वयं मुख्यमंत्री के ओएसडी तक के रिश्तेदारों को सचिवालय में नौकरी दिए जाने का मामला सामने आया है। इससे साफ हो रहा है कि सरकार ने उत्तराखंड में नौकरियों को भी स्वयं का रोजगार बना कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी मांग करती है कि इन अब तक जितनी भी भर्ती हुई है, उन सभी की सीबीआई से जांच करवायी जाए। कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक कुंवर सिंह नेगी ने कहा कि भाजपा की केंद्र की सरकार छोटे से छोटे मामले में भी सीबीआई और ईडी की जांच करवा कर तमाम विपक्षी दलों के नेताओं को नाहक ही परेशान करने पर लगी है जबकि उत्तराखंड में भर्ती घोटाला इतना बड़ा मामला सामने आ रहा है उसमें क्यों नहीं सीबीआई और ईडी से जांच करवाती है इससे जाहिर है कि सरकार सीबीआई और ईडी का भी गलत इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने सचिवालय भर्ती घोटाले को लेकर पूर्व विधान सभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल पर भी सवाल उठाते हुए उत्तराखंड राज्य बनने से लेकर अब तक के सचिवालय भर्ती को लेकर जांच की मांग की और इस मामले में किसी कोई भी दोषी पाये जाने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता विकास जुगरान ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस सरकार में भ्रष्टाचार इतना चरम पर पहुंच गया है कि नौकरियां भी अब बिना सुविधा शुल्क दिये बिना पाना आम गरीब बेरोजगार के लिए दिवास्वप्न हो गया है। उन्होंने कहा कि जो भर्ती घोटाले मामले में जो भी मंत्री संदेह के घेरे में आ रहे हैं, उन्हें उनके पदों से हटाकर सीबीआई से जांच करवायी जाए तभी निष्पक्ष जांच हो सकती है। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष आंनद सिंह पंवार, नगराध्यक्ष गोविंद सिंह सजवाण, ओम प्रकाश नेगी, दीवान सिंह बिष्ट, जयवीर नेगी, रविंद्र नेगी, संदीप झिंक्वाण, पुष्कर सूरी, सूर्यप्रकाश पुरोहित, देवेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के बैंक लॉकर की जांच के लिए वसुंधरा पहुंची सीबीआई

गाजियाबाद, (हि.स.)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं शिक्षामंत्री मनीष सिसोदिया के वसुंधरा के पंजाब नेशनल बैंक में लॉकर की जांच करने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम मंगलवार को पहुंची। दूसरी ओर सीबीआई की टीम से पहले मनीष सिसोदिया अपनी पत्नी के साथ वसुंधरा स्थित पीएनबी की शाखा में देखे गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मनीष सिसोदिया अपनी पत्नी के साथ पीएनबी की शाखा में आए थे। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों ने इसके अतिरिक्त कुछ नहीं बताया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में शराब नीति में अनियमितता के मामले में सीबीआई जांच कर रही है। सीबीआई ने इससे पहले पिछले दिनों उपमुख्यमंत्री सिसोदिया के आवास पर छापेमारी की थी। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने शराब नीति में गड़बड़ी के मामले को लेकर सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। सोमवार को उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि मंगलवार को सीबीआई उनका बैंक लॉकर देखने आने वाली है। उन्होंने ट्वीट में कहा था, सीबीआी हमारा बैंक लॉकर देखने आ रही है। उन्होंने दावा किया था कि 19 अगस्त को मेरे घर पर 14 घंटे की रेड में कुछ नहीं मिला था। लॉकर में भी कुछ नहीं मिलेगा। सीबीआई का स्वागत है, जांच में मेरा और मेरे परिवार का पूरा सहयोग रहेगा। सीबीआई की टीम ने लॉकर की तलाशी शुरू कर दी है।

लोन देने के नाम पर ठगी कर रहे हैं चीनी ऐप : कांग्रेस

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि देश में 600 चीनी ऐप लोने देने के नाम पर ठगी कर रहे हैं और उनपर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने मंगलवार को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि इन ऐप आधारित लोन देने वाले गिरोह के झांसे में आकर अब तक 52 लोग खुदकुशी कर चुके हैं। लेकिन केन्द्र सरकार ने इस मुद्दे पर संज्ञान भी नहीं लिया है। वल्लभ ने कहा कि देश में 1100 लोन ऐप हैं। जिसमें से 600 ऐप चीन के गिरोह संचालित कर रहे हैं। इन ऐप के माध्यम से चीनी गिरोह अबतक 500 करोड़ रुपये की उगाई कर चुके हैं। लेकिन भारत सरकार की जांच एजेंसियां इस मुद्दे पर पूरी तरह मौन हैं। इस मुद्दे पर केन्द्र सरकार चुप्पी बनाए हुए हैं। यह सरकार मानने को ही नहीं तैयार है कि ऐसे ऐप भारत में ठगी कर रहे हैं जबकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने माना कि 600 चीनी लोन ऐप गैरकानूनी ढंग से भारत में ठगी कर रहे हैं। वल्लभ ने कहा कि इन लोन ऐप के झांसे में आसानी से लोग आ जाते हैं। ये गिरोह 7 दिनों के लिए 5 से 10 हजार का लोन दे देते हैं और एक सप्ताह में 400 फीसदी तक ब्याज डरा-धमका कर ले लेते हैं। वल्लभ ने कहा कि केन्द्र सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केन्द्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) का उपयोग विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए तो करती है। लेकिन इन एजेंसियों से ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर जांच नहीं कराई जाती है। वल्लभ ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार ने खुद चीन को भारतीय लोगों के डेटा को बेचने का काम किया है।

ममता ने किया 2024 में भाजपा को उखाड़ फेंकने का ऐलान, कहा यह मेरी आखिरी लड़ाई : ममता

कोलकाता (ईएमएस)। प. बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने का ऐलान किया है। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि 2024 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को केंद्र की सत्ता से बेदखल करना उनकी 'आखिरी लड़ाई' होगी। ममता बनर्जी ने कोलकाता में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में हराना है। केंद्र में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए दिल्ली की लड़ाई मेरी आखिरी होगी। मैं भाजपा को सत्ता से बेदखल करने का वादा करती हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा को किसी भी कीमत पर हराना है। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को बचाना हमारी पहली लड़ाई है। मैं वादा करती हूं कि हम 2024 में केंद्र में भाजपा को सत्ता से हटा देंगे। अगर आप हमें डराने की कोशिश करेंगे, तो हम जवाब देंगे।

ममता बनर्जी ने 1984 में 400 से अधिक सीट जीतने के बावजूद 1989 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चुनाव हारने का जिक्र करते हुए कहा कि हर किसी को हार का सामना करना पड़ता है। ममता बनर्जी ने कहा कि इंदिरा गांधी दिग्गज नेता थीं, लेकिन उन्हें भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के लगभग 300 सांसद हैं, लेकिन बिहार जा चुका है, कुछ अन्य राज्य भी उसके हाथ से जाएंगे। ममता बनर्जी ने उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर कहा कि मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि अगर वे कर सकते हैं तो मुझे गिरफ्तार कर लें। ममता ने कहा कि भाजपा, केंद्रीय एजेंसियों और काले धन का इस्तेमाल निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने के लिए कर रही है। भाजपा जवाब दे कि निर्वाचित सरकारों को गिराने के लिए उसके पास पैसा कहां से आ रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2021 में 111 फीसदी बढ़े साइबर अपराध

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2021 में राष्ट्रीय राजधानी में इससे पिछले वर्ष की तुलना में साइबर अपराध में 111 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। मामले बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यौन शोषण बताया गया है।

आंकड़ों के अनुसार, इनमें से अधिकतर मामले ऑनलाइन धोखाधड़ी, ऑनलाइन उत्पीड़न, कामुक सामग्री के प्रकाशन आदि से जुड़े थे। दिल्ली पुलिस द्वारा साइबर अपराध के लिए एक अलग शाखा के साथ-साथ एक सोशल मीडिया सेंटर बनाने के बावजूद इन मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल साइबर अपराध के 356 से अधिक मामले सामने आए थे, जिसमें से अधिकतर अपराधियों के खिलाफ कामुक सामग्री के प्रकाशन और प्रसारण से संबंधित थे। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि इन अपराधों को अंजाम देने का मकसद धोखाधड़ी, यौन शोषण और जबरन वसूली करना था। शिकायत करने वालों में ज्यादातर 12 से 17 साल की उम्र की नाबालिग लड़कियां थीं। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) केपीएस मल्होत्रा ने कहा कोविड-19 के बाद से हम ऑनलाइन मामले अधिक दर्ज कर रहे हैं। हमने वित्तीय धोखाधड़ी और यौन शोषण के मामलों में वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा हम केवल शिकायतों का ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पोस्ट का भी संज्ञान लेते हैं।

दुनिया में पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा, पर्यावरण की सुरक्षा हर किसी का कर्तव्यः गहलोत

जोधपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि दुनिया में पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। जिससे आने वाला समय खतरे से कम नहीं है। तापमान बढऩे से लेकर कई आपदाएं आती है। पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हम सब का कर्तव्य और दायित्व है। इसके लिए ना सिर्फ सरकारी स्तर पर कार्य हो बल्कि इसके संरक्षण के लिए सोसायटियों को भी कार्य करना होगा। आज पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की सर्वोपरि जरूरत है। वे आज अपने प्रवास के दूसरे दिन ने 73वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव एवं पद्मश्री कैलाश सांखला स्मृति वन कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कैलाश सांखला स्मृति वन के व्यापक और बहुआयामी विकास से यह देश दुनिया में अपनी अनूठी पहचान कायम करेगा। इससे पर्यटकों का आकर्षण बढ़ेगा और और जोधपुर के लिए नवीन पर्यटन स्थल विकसित होगा।

सामुदायिक भागीदारी पर जोरः मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण का खतरा देश दुनिया में है। इसको लेकर दुनिया भर में चचाएं और विचार विमर्श होता रहा है। आज भी विश्वभर के देश इसको लेकर चिंता व्यक्त करते है। पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण में इसके विकास में सामुदायिक भागीदारी होना जरूरी है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने विभिन्न संगठनों संस्थाओं आदि के माध्यम से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाकर जन भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने इसके विकास में अधिक से अधिक जन भागीदारी पर जोर दिया और समय-समय पर नियमित सहभागिता निभाने के सुरक्षित संरक्षण, पल्लवन और विकास के लिए अपील की।

वन महोत्सव का शुभारंभः मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पद्मश्री कैलाश सांखला स्मृति वन में मंगलवार को पौधारोपण कर 73वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव का शुभारंभ किया और स्मृति वन में व्यापक पैमाने पर

वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, व्यवसायियों और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आमजन ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

प्रदर्शनी का अवलोकन : मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 73वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के अंतर्गत पद्मश्री कैलाश सांखला स्मृति वन में वन विभाग की ओर से लगाई गई वृहत प्रदर्शनी का अवलोकन किया .इस प्रदर्शनी में विभिन्न बायोलॉजिकल पार्क, वन खंड, वन विभाग की गतिविधियां और उपलब्धियों के बारे में रंगीन छाया चित्रों के साथ जानकारी का समावेश किया गया है। उन्होंने वन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों से वन विकास तथा प्रदर्शित जानकारी के बारे में चर्चा की। साथ ही वनोपज, वनोषाधियों, और हर्बल प्रोडक्ट्स तथा हस्तशिल्प उत्पादों के स्टाल्स का अवलोकन किया और इन्हें बनाने वाले स्वयं सहायता समूहों के प्रतिनिधियों से चर्चा की और उत्पादों के बारे में जानकारी ली।

लवकुश वाटिका का शिलान्यासः इस अवसर पर उन्होंने 2 करोड़ की लागत से बनने वाली लव कुश वाटिका तथा 5 करोड़ की लागत से बनने वाले बॉटनिकल गार्डन का शिलान्यास किया।

सुबह सर्किट हाउस में जनसुनवाईः इस कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने सुबह सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर लोगों की परिवेदनाएं जानी। उन्हें कार्य को लेकर आश्वस्त किया और साथ ही संबंधित विभाग अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए।

हमारे सहयोगी संरक्षक एवम् ब्यूरो प्रमुख

प्रधान सम्पादक – नरेन्द्र कुमार

सहयोगी संरक्षक

अनिल सेठी

नरेश ए बाबू-कार्यकारी निदेशक

संपादन सहयोगी - मोहित शुक्ला

सदस्य एवं रिपोर्टर

•राजकुमार कश्यप (दिल्ली) •दीपक कुमार (पटियाला)
• वीरेन्द्र कुमार ठाकुर •वीरेंद्र सिंह बघेल (फरीदाबाद)
• अनीता सिंह •राम नाथ •मुकेश गुप्ता, मीनाक्षी निगम
•मोहम्मद शमशेर (दिल्ली) • मुकेश जोशी (उत्तराखण्ड)
• अशोक कुमार, काजल शर्मा (गुरूग्राम)
• अवध किशोर त्रिपाठी (अहमदाबाद)
•श्याम लाल (मेरठ) •रामनरेश सिंह (पडरौना, उत्तरप्रदेश)
•नवीन सुरेल, तालबहेट, ललितपुर, (झाँसी)
• ओम शुक्ला, मनीष शुक्ला, शिवम शुक्ला (कानपुर)
• ओमपाल वर्मा, इन्द्रमणी मंडल (रायपुर छत्तीसगढ़)
• फ्रूमू लामों सिलीगुड़ी, रोशन कुमार मिश्रा (पश्चिम बंगाल)
■ पिंटू बनर्जी (पश्चिम बंगाल)

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक हैं।

समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री, लेख, रचनाओं, एवम् विज्ञापनों में लेखकों और विज्ञापन दाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए दिल्ली क्राईम व भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही मान्य होगा।

विशेष :- किसी भी परिस्थिति में निर्णय लेने का अधिकार केवल संपादक को है।

S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092

संपर्क – 011-35631400
Customer Care No.
8375000672

ADVERTISMENT RATE TARIFF PLAN

FULL PAGE | HALF PAGE | QUARTER PAGE

FULL FRONT PAGE	₹ 1,20,000/-
FULL INNER PAGE	₹ 60,000/-
FULL BACK PAGE	₹ 90,000/-
HALF FRONT PAGE	₹ 66,000/-
HALF PAGE INNER	₹ 36,000/-
HALF PAGE BACK	₹ 51,000/-
QTR. PAGE FRONT	₹ 36,000/-
QTR. PAGE INNER	₹ 21,000/-
QTR. PAGE BACK	₹ 30,000/-

Classifieds Ads. Per Column / 3 CM. Rs.2100/-
Visiting Card Size Advertisements:
Front Page Rs. 6000/- Back Page Rs. 4500/-
Inner Page Rs.3000/-

DELHI CRIME 31 august 2022:Layout 1 8/30/2022 7:20 PM Page 8

ऋतिक को लाइव इवेंट में प्रशंसक के पैर छुते देख हैरान हुए लोग, जमकर की एक्शन स्टार की तारीफ

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता ऋतिक रोशन बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे विनम्र अभिनेताओं में गिने जाते हैं। ऋतिक रोशन की अगली फिल्म विक्रम वेधा रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का टीजर आउट होने के बाद से ही फिल्म चर्चा में हैं। इसी बीच, ऋतिक मुंबई में एक इवेंट के दौरान नजर आए। फैंस उन्हें देखकर क्रेजी हो गए। ऋतिक ने इवेंट में एक नियॉन ग्रीन ब्लेजर और व्हाइट पैंट के साथ एक नियॉन ग्रीन टी शर्ट पहन रखी थी। ऋतिक ने ब्लैक सनग्लास और एक सफेद टोपी के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया था। ऋतिक रोशन के इस वीडियो को पैपराजी विरल भयानी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में ऋतिक स्टेज पर अपने एक फैन के पैर छूते दिख रहे हैं। इस वीडियो को देख हरकोई उनकी तारीफ कर रहा है। उनका विनम्र स्वभाव फैंस को काफी आकर्षित कर रहा है। दरअसल, ऋतिक जब स्टेज पर खड़े रहते हैं। तो एक फैन उनकी तरफ आता है और उनके पैर छूता है। ऋतिक इसके बदले में उस फैन के पैर छू लेते हैं। यह इतना जल्दी हुआ कि फैन कुछ समझ ही नहीं पाया। इसके बाद फैन ने अपने मोबाइल में ऋतिक को कुछ दिखाया। ऋतिक ने उसे गले लगाया और उसके साथ फोटो के लिए पोज भी दिए। इतना ही नहीं। ऋतिक की तरफ से उस फैन को उनके ब्रांड एचआरएक्स की तरफ से गिफ्ट भी दिया गया। ऋतिक रोशन ने इवेंट में अपना विक्रम वेधा पोज भी दिया। इस फिल्म को पुष्कर-गायत्री ने डायरेक्ट किया है। उन्होंने इसकी ओरिजनल तमिल फिल्म को भी डायरेक्ट किया है। तमिल में भी फिल्म का यही नाम था। हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है। रीमेक में सैफ अली खान भी हैं और वह इसमें एक सख्त पुलिस वाले विक्रम की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं। ऋतिक रोशन एक खूंखार गैंगस्टर वेधा की भूमिका निभा रहे हैं। इसका एक्शन सीक्वेंस और बैकग्राउंड म्यूजिक बहुत ही कमाल का है। फिल्म 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों को भी पसंद आई राजामौलि की आरआरआर, टॉप हॉलीवुड मेकर्स ने दिखाई दिलचस्पी

मुंबई (ईएमएस)। आरआरआर इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी इस फिल्म का क्रेज थमने का नाम नहीं ले रहा है। न केवल भारत में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय दर्शक भी फिल्म को पसंद कर रहे हैं और कई टॉप हॉलीवुड फिल्म मेकर्स ने भी फिल्म को पसंद किया है। फिल्म के जरिए राम चरण और जूनियर एनटीआर काफी लंबे समय से चर्चा में हैं। इसी बीच फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स सुरवाइजर ने टाइगर के साथ कोमाराम भीम यानी तारक की वीएफएक्स ब्रेकडाउन की एक क्लिप शेयर की है। यह अभिनेता का इंट्रोडक्शन वाला वीडियो है और इसे देखने के बाद नेटिजन्स राजामौली के विजन की तारीफ के पुल बांध रहे हैं। यूं तो आरआरआर कई कारणों से सुर्खियां बटोरती रहती है और जूनियर एनटीआर के इंट्रोडक्शन सीन का टाइगर के साथ वीएफएक्स ब्रेकडाउन वीडियो क्लिप के जरिए चर्चा में हैं। इस वीडियो को फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स सुपरवाइजर श्रीनिवास मोहन द्वारा ने अपने ट्विटर पर जारी किया है। इसमें निर्देशक एसएस राजामौली एक्शन में हैं और वे विजुअल टीम को जंगली जानवर से फाइट का निर्देश देते हैं। फिल्म में यह सीन हर किसी के रोंगटे खड़े कर देने वाला है जबकि उसी का बीटीएस आपको हैरान कर देगा। वीडियो को देख आप राजामौली के शार्प माइंड और विजन को समझ सकेंगे। जूनियर एनटीआर के इस सीन के पीछे का वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद नेटिजन्स टीम की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इस क्लिप पर हजारों लोग ट्वीट कर फिल्म के डायरेक्टर को सराह रहे हैं और कह रहे हैं कि ऐसा केवल एक ही शख्स कर सकता है और वह है राजामौली। लोग मुख्य रूप से फिल्म निमार्ता की सराहना कर रहे हैं। यह देखकर कि वे किस तरह से सीक्वेंस और ध्यान को विस्तार से समझाते हैं। फिल्म की रिलीज से पहले आरआरआर अभिनेता राम चरण और जूनियर एनटीआर ने निर्देशक एसएस राजामौली के साथ फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी। एक इंटरव्यू में फिल्म निमार्ता ने इस सीन के बारे में खुलासा किया कि उन्होंने बुल्गारिया के घने जंगल में एनटीआर को नंगे पांव चलाया। उन्होंने बताया। ह्यवो शॉट तारक के इंट्रोडक्टरी शॉट के लिए था जिसमें वो बाघ की तरह भागे। यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं क्रूरता को परिभाषित कर सकता हूं। फिल्म की रिलीज महामारी के कारण कई बार स्थगित हुई थी, लेकिन इसे देखने के लिए लोगों की दिलचस्पी हमेशा ही बरकार रही। रिलीज के बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए और 1200 करोड़ से अधिक की कमाई की। अब यह ओटीटी के नेटफ्लिक्स पर भी धमाल मचाए हुए है। दो हैंडसम हंक के अलावा फिल्म में अजय देवगन, आलिया भट्ट, श्रिया सरन, समुथिरकानी, रे स्टीवेन्सन, एलिसन डूडी और ओलिविया मॉरिस भी हैं।

उर्फी जावेद की चांदी की वर्क वाली तस्वीरें देख लोग हुए हैरान, कविता कौशिक ने कहा- 'काजू कतली'

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री और मॉडल उर्फी जावेद अपनी ताजा-तरीन इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर फिर से चर्चा में हैं। उन्होंने 3 तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह टॉपलेस हैं। तीनों तस्वीरों में देख सकते हैं कि उर्फी ने चांदी के वर्क से अपने ब्रेस्ट को कवर किया है। इन तस्वीरों में उर्फी को दो अलग-अलग पोज देते हुए दे खा जा सकता है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उर्फी ने बताया कि उन्होंने चांदी के वर्क का इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा इल्यूमिनेटिंग, इसके लिए चांदी का वर्क का इस्तेमाल किया। उर्फी जावेद की तस्वीरों के साथ ही इस पोस्ट पर एफआईआर फेम कविता कौशिक के कमेंट ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। कविता को उर्फी की इन तस्वीरों को देखकर काजू कतली की याद आ गई। कविता ने आंखों में प्यार भरे इमोजी के साथ कमेंट में अई काजू कतली लिखा। वहीं, नाज जोशी ने दिल वाले इमोजी के साथ वॉव लिखा। उर्फी जावेद की इस पोस्ट पर नेटिजंस ने भी प्रतिक्रिया की है। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया और ऐसे फोटो शेयर न करने की नसीहत दी है। उर्फी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर भी एक ऐसी ही तस्वीर शेयर की और लोगों से कंफर्म किया कि इसे क्या कहते हैं।

उन्होंने लिखा, इसको चांदी का वर्क बोलते है ना? इसके बाद, उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा जब आप उर्फी जावेद के घर के पास रहते हैं। 28 सेकंड के इस वीडियो में दिखाया गया है कि एक शख्स मिठाई की दुकान पर काजू कतली का पैकेट खरीदने जाता है। दुकानदार उसे देता है, लेकिन उसमें चांदी का वर्क नहीं दिखता। शख्स दुकान वाले से पूछता है कि इसमें चांदी का वर्क कहा हैं। दुकानदार ने कहा कि एक मैडम आई थी। उर्फी जावेद की इन तस्वीरों पर नेटिजंस ने खूब कमेंट किए हैं-एक यूजर ने लिखा आपने तो मिया खलीफा को पीछे छोड़ दिया। एक अन्य यूजर ने लिखा बहन मत कर ऐसे प्लीज हम श-रीफ घर की लड़कियों की मत वाट लगा। एक यूजर ने लिखा, फैंस ड्रेस कंपीटिशन में क्या बनोगी तुम? उर्फी जावेद-बरफी।

करण जौहर ने उड़ाया फराह के फैशन सेंस का मजाक

फराह खान और करण जौहर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वो दोनों एक-दूसरे के कपड़ो का मजाक उड़ा रहे हैं। वीडियो में फराह रेड कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। वहीं करण ने ब्लैक कलर के कपड़े पहने हुए हैं। इसमें करण, फराह से कहते हैं, 'ओह...माई गॉड तुम तो स्टॉप साइन जैसी लग रही हो और यह गले में क्या है मेडल तुम्हारे फैशन के लिए?' इसके जवाब में फराह कहती हैं, 'नहीं ये है तुम्हें 25 साल से दोस्त बनाने के लिए और ये तुम्हारी शर्ट पर इतने चेहरे क्यों बने हैं? ये तुम्हारे हैं न? कुछ सक्सेसफुल लोगों के लिए कुछ अनसक्सेसफुल लोगों के लिए?' ये सुनकर करण कहते हैं, 'मैं भेदभाव नहीं करता हूं और ये कहना बंद करो, नहीं तो मैं तुमसे बात नहीं करता। करण की बात सुनकर फराह हैरान हो जाती हैं।' करण ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'एक ऐसा रैपिड फायर जिसकी आपको जरूरत नहीं है।' बता दें ये मजेदार वीडियो वरुण धवन ने बनाया है।

डार्लिंग्स फेम शेफाली शाह 'बॉलीवुड बायकॉट' पर बिफरी, बोलीं- 'ये एनर्जी की बबार्दी है'

मुंबई (ईएमएस)। फिल्मी दुनिया में इन दिनों 'बॉलीवुड बायकॉट' का खौफ फिल्मकारों को भयभीत कर रहा है। दरअसल, पिछले कुछ समय में बड़े पर्दे पर कई बड़ी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वह कमाल नहीं कर सकीं, जिसकी उम्मीद थी। सोशल मीडिया पर लगातार, बॉलीवुड फिल्मों को बायकॉट किए जाने की मांग उठ रही है। ट्विटर से लेकर इंस्टाग्राम तक पर, कई बॉलीवुड फिल्मों को बायकॉट करने की मांग उठ चुकी है। गौर करने वाली बात तो ये है कि इसका असर सिर्फ सोशल मीडिया तक ही सीमित नहीं है। पिछले कुछ समय पर इस ट्रेंड का असर बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों पर देखने को मिला। जिस पर कई सितारों की प्रतिक्रिया भी आ चुकी हैं। अब इस पर डार्लिंग्स फेम शेफाली शाह ने भी प्रतिक्रिया दी है। रक्षाबंधन, लाइगर और शमशेरा जैसी फिल्में, जिनसे मेकर्स को जबरदस्त कमाई की उम्मीद थी, सभी बॉक्स ऑफिस पर धड़ाम साबित हुईं। अब सोशल मीडिया पर रणबीर कपूर और आलिया भट्ट स्टारर ब्रह्मास्त्र को भी बायकॉट किए जाने की मांग उठ रही है। ऐसे में आलिया भट्ट के साथ डार्लिंग्स में काम कर चुकीं शेफाली शाह ने इस ट्रेंड को समय की बबार्दी बताया है और खुलकर आलिया का सपोर्ट किया है। दिल्ली क्राइम्स 2 शेफाली शाह से जब बॉलीवुड फिल्मों के बायकॉट ट्रेंड और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर आने वाली फिल्मों पर बात की। शेफाली शाह से जब पूछा गया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर फिल्मों को लाया जाना कितना सुरक्षित है? जवाब में शेफाली ने कहा- बायकॉट ट्रेंड एनर्जी की बरबादी है। शेफाली ने आगे कहा- एक जो चीज है, जो मेरी समझ में नहीं आ रही है, वह है नफरत। नफरत करने में बहुत मेहनत लगती है। किसी के लिए भी की जाने वाली नफरत, मैं सिर्फ बॉलीवुड की बात नहीं कर रही, ये ऊर्जा और समय की बरबादी है। इस शक्ति का इस्तेमाल किसी सही दिशा में करना चाहिए। दूसरी ओर हाल ही में शेफाली शाह की दिल्ली क्राइम 2 रिलीज हुई है। जो जबरदस्त चर्चा में है। दिल्ली क्राइम के पहले सीजन को दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स ने काफी सराहा था। इस सीरीज में दिल्ली गैंगरेप से जुड़े मुजरिमों को पकड़ने और पुलिस के सामने आ रही तमाम चुनौतियों को पर्दे पर बहुत बारीकी के साथ दिखाया गया था। दिल्ली क्राइम का दूसरा सीजन भी ओटीटी पर स्ट्रीम हो रहा है।

राजकुमार राव ने बॉलीवुड में बहुत कम समय में बनाई पहचान

फिल्म इंडस्ट्री में कम समय में अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाले युवा और संजीदा अभिनेताओं में एक नाम राजकुमार राव का भी शामिल है। राजकुमार का जन्म 31 अगस्त 1984 को गुड़गांव मे हुआ था। प्रारंभिक पढ़ाई गुड़गांव से पूरी करने के बाद, राजकुमार ने स्नातक की पढ़ाई दिल्ली विश्वविद्यालय से पूरी की। इसके बाद राजकुमार ने एफटीआई पुणे से भी पढ़ाई की और मुंबई शिफ्ट हो गए। जब राजकुमार दसवीं में थे तभी से उनके अंदर एक्टिंग का कीड़ा पलने लगा था। बॉलीवुड में राजकुमार ने फिल्म लव सेक्स और धोखा से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में राजकुमार के अभिनय की खूब सराहना हुई। इसके बाद राजकुमार राव को एक के बाद एक कई फिल्में मिलनी लगी। राजकुमार ने बॉलीवुड में कई हिट फिल्में दी है, जिसमें रागिनी एमएमएस, शैतान, काय पो चे, शाहिद, शादी में जरूर आना, स्त्री, जजमेंटल है क्या, रूही अफजाना आदि शामिल है।

राजकुमार को फिल्म काय पो चे के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। तो वहीं फिल्म शाहिद के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। राजकुमार राव की निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने 15 नवंबर, 2021 को अभिनेत्री पत्रलेखा से शादी की। दोनों खुशहाल जिंदगी गुजार रहे हैं। वहीं राजकुमार राव की वर्कफ्रंट की बात करें तो वेव जल्द ही फिल्म 'भीड़' और 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' में अभिनय करते नजर आएंगे।

रितेश देशमुख ने लगाए अभिषेक बच्चन पर आरोप

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख के कॉमेडी शो 'केस तो बनता है' में नजर आने वाले हैं। हाल ही में इस शो का ट्रेलर रिलीज किया गया। शो में सेलेब्स को अपने ऊपर लगे इल्जाम का जवाब देना होता है। वहीं रितेश ने अभिषेक से कई मजेदार सवाल पूछे। रितेश ने अभिषेक से पूछा, 'आप फिल्मों के सेट से काफी प्रॉप चुरा लेते हैं। 'गुरु' के सेट पर उन्होंने...' और इसके बाद ट्रेलर वहीं कट जाता है। इसके जवाब में अभिषेक मजाक करते हुए कहते हैं, 'हीरोइन (ऐश्वर्या) को चुरा लिया।' बता दें फिल्म 'गुरु' की रिलीज के बाद ही अभिषेक ने ऐश्वर्या से शादी कर ली थी। अभिषेक के अलावा शो में विक्की कौशल, पंकज त्रिपाठी, शाहिद कपूर, संजय दत्त, जैसे कई सेलेब्स नजर आने वाले हैं।

विक्की कौशल स्टारर सैम बहादुर की शूटिंग हुई शुरू

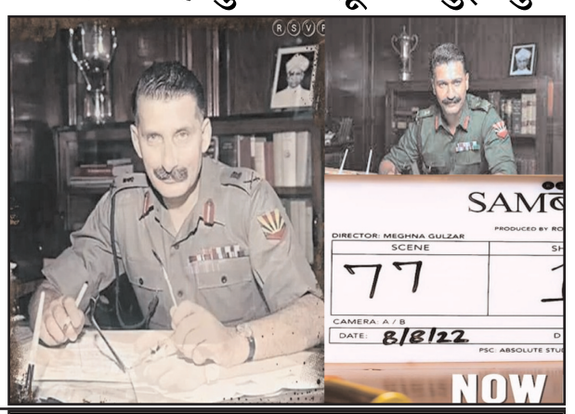

विक्की कौशल स्टारर सैम बहादुर की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म की टीम ने एक वीडियो शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसमें फिल्म की रीडिंग से लेकर मुहूर्त शॉट तक दिखया गया है। सैम बहादुर में विक्की की अलावा सान्या मलहोत्रा, नीरज काबी और फतिमा सना शेख भी नजर आएंगी। यह फिल्म फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ की लाइफ पर बेस्ड है।

सूडोकु नवताल- 6178

सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6177 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्दजाल- 6925

त	श	मु	प	रि	णि	ता	प	न	र	टें
था	क्रि	दी	ना	द	मु	सा	फि	र	कां	ल
स्तु	के	वा	हे	नि	रा	ना	न	व	टि	गे
बी	ट	र	न	शा	वा	जू	क	ले	ज	र
चो	दा	त	प	ने	तो	हो	चा	गो	ब	हो
ब	दु	त	खौ	ग	स	ए	व	चा	वॉ	मु
द	प	श्म	न	फ	व	ह	अ	गो	प्ला	न्ना
क	र	क	न	क्श	ह	भा	र	चो	आ	भा
र	व	त	म	ए	भी	र	क	अ	न	ई
रू	द्रा	क्ष	त	र	त	ता	ण	र	ह	ग
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	र	क	प	स्त	ये

शब्दजाल में संजय दत्त की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

लगे रहो मुन्ना भाई, तथास्तु, परिणिता, मुसाफिर, दीवार, रुद्राक्ष, कांटें, राजू चाचा, खौफ, दुश्मन

शब्दजाल - 6924 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	उ	न	र	क
गो	ड	म	द	र	वा	जी	म	इ	अ	ल
आ	प	दे	पू	ह	जी	व	रा	का	व	दि
ए	ची	तं	श	ट	ज	प	व	पा	ता	र
क	त	ई	ग	में	व	खें	जा	भा	र	इ
आ	मे	म	दे	दे	व	ता	न	ई	न	ति
द	जं	न्स	मे	प	क	ता	या	ज्वा	है	हा
मी	म	क	ए	स	र	प	र	ला	म	स
ले	बो	र्न	य	त	चि	व	री	मु	न	क्स
त	ह	म	पां	च	बा	त्र	रि	खी	म	प्रे
बे	बौ	लो	नि	या	ल	र	न	श	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 5878

4			6		5	7
2	31	7	31	4	28	
	5	3		1		
5	37	6	33		29	3
	3		4			1
	29	5	32		40	
1		4	3	2	7	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5877 का हल

7	2	1	6	3	5	4
2	31	7	31	4	28	2
4	5	3	6	1	2	7
3	27	6	33	6	39	5
1	3	2	4	5	7	6
5	31	5	32	7	38	3
6	5	4	3	2	7	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वामी एवं संपादक इंद्रा द्वारा S-529, स्कूल ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली - 110092 से जारी
Customer Care No:- 8375000672, For News & Advertisement- 8375000984, Email-info@delhicrimepress.in, Website- www.Delhicrimepress.in